



मोहन सरकार के मंत्री विजय शाह की बर्खास्तगी को लेकर कांग्रेस का सड़क से सदन तक प्रदर्शन, सीएम यादव बोले- ये कांग्रेस का 'राजनीतिक ड्रामा'

‘શાહ’ પર જમા સિયાસી રંગમંચ!

भोपाल। मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए विवादिता बयान के बाद से ही लगातार उनका विरोध हो रहा है। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को राज्यपाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करने की मांग की। इसको बाद कांग्रेसी विधायक काले पट्टे में राजभवन के बाहर धरने पर बैठ गए और मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करने के नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार ने कहा कि सरकार कोर्ट से नहीं चलती सरकार को मुख्यमंत्री चलाते हैं। वहीं राज भवन के बाहर धरना दे रहे कांग्रेस विधायकों को पुलिस ने जबरन उठा दिया। कई विधायकों के हाथ-पैर पकड़कर पुलिस ने बस में भरा और सारे विधायकों को गिरफ्तार कर ले गई।

देश को अपमानित करने का काम किया इस दौरान धरने में शामिल प्रदेस के खरागोन जिले की कसरवाद विधानसभा से विधायक सचिन यादव ने कहा कि, विजय शाह ने देश को अपमानित करने का काम किया है। उन्होंने बहन-बेटियाँ, सेना एवं देश की अखंडता को खण्डित करने का जो काम किया है, वो निन्दीय है। इसको लेकर सरकार को तत्काल मंत्री विजय शाह को मंत्रिमंडल से बाहर करना चाहिए।

कोर्ट ने दिए थे एफआईआर के निर्देश दिए सुप्रीम कोर्ट में नुसरोबाई दली, अब 19 मई को होनी मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शाह के बयान पर स्वतः संज्ञान लिया था। जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस अनुराध शुक्ला की बेंच ने डीजीपी को मंत्री शाह पर एफआईआर के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट के आदेश के बाद विजय शाह के खिलाफ धारा 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत अपराध दर्ज किया गया

‘क्या महाकुंभ में न आना देशद्रोह है?’
कोर्ट ने धीरेंद्र शास्त्री को थमाया नोटिस
20 मई को शहडोल कोर्ट में होना पड़ेगा पेश



धाराओं के तहत दंडनीय अपराध भी है।
धार्मिक आयोजन में न पहुंचने वाला देशद्रोही कैसे?
 सदीप तिवारी का कहना है कद्व क्या धार्मिक आयोजन में न पहुंचने वाला देशद्रोही है? सीमा पर तैनात सैनिक, अस्पतालों में सेवा दे रहे डॉक्टर, कानून व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मी, न्यायपालिका के सदस्य, पत्रकार या कोई भी नागरिक जो अपने कर्तव्यों के कारण महाकुंभ में उपस्थित नहीं हो पाता, क्या उसे देशद्रोही कहा जा सकता है? यह वक्तव्य न केवल अवदनदेशीय है बल्कि सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाला भी है।
पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो कोर्ट का रुख किया
 एडवोकेट सदीप तिवारी ने 4 फरवरी 2025 को इस मामले

में शहडोल के थाना सोहागपुर में शिकायत की गई। पुलिस द्वारा कार्रवाई न होने पर, शिकायत पुलिस अधीक्षक शहडोल को भेजी गई। तब भी कोई कार्रवाई न होने पर 3 मार्च 2025 को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, शहडोल के समक्ष रिवाज प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा परिवाद स्वीकृत करते हुए अब धीरेंद्र शास्त्री को विधिवत नॉटिस जारी कर 20 मई 2025 को प्रकरण में सुनवाई सुनिश्चित की है।

धार्मिक आयोजन में भागीदारी से देशभक्ति का मूल्यांकन नहीं न्यायालय परिवाद लगाने वाले एडवोकेट संदीप तिवारी का कहना है कि देशभक्ति का मूल्यांकन किसी धार्मिक आयोजन में भागीदारी से नहीं, बल्कि अनेक दायित्वों, कर्तव्यों और संपन्नता के प्रति निष्ठा से किया जाता है।

1857 से ले

इंदौर। तिरंगा यात्रा में शामिल हुए
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि
1857 से लेकर 1947 तक जिस किसी
ने भारत माता की तरफ आंख उठाने का
प्रयास किया उसका देश के लोगों ने
एकजुटता के साथ विरोध किया है।
आज तक जितने भी युद्ध हुए उसमें अब
सबसे तेज गति से जित मिली है।
अमेरिका के राष्ट्रपति को अपनी बात में
सुधार करना पड़ा है। यह हमारे देश के
प्रधानमंत्री की रणनीति और काम करने
का तरीका है। यात्रा के मार्ग पर 150
स्वातंत्र्य मंच बनाए गए थे। यात्रा में
सामाजिक संगठन, व्यापारिक संगठन,
औद्योगिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन,
महिला संगठन और धार्मिक संगठनों ने
भी सहभागिता की। यात्रा में सबसे आगे
डोजे है बीच में जगह-जगह बैंड, झांकी

य सैना के सम्मान में इंदौर में निकाला जा रहा है।

आज तक-



और रथ शामिल रहे। शाम को 5.30 बजे बड़ा गणपति चौराहा से तिरंगा यात्रा शुरू हुई जो राजवाड़ा तक पहुँचैगी। यात्रा में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए इंदौर के सुशील नाथनियाल की पत्नी जेनिफर नाथनियाल भी शामिल हुई हैं।

जो ललकारा

शहर के हर कोने से पहुंचे लोग भाजपा की शहर इकाई द्वारा इस तिरंगा यात्रा को आयोजित किया गया। भाजपा ने आयोजन को भाजपा के आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि समाज के आयोजन के रूप में माना। इस आयोजन के लिए

वो पछताया

अनुसूचित जाति-जन जाति अधिकारी कर्मचारी संघ की याचिका पर हाईकोर्ट ने एमपी सरकार से मांगा जवाब

सभी जातियों को पुजारी बनने का हक क्यों नहीं ?

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से जवाबाना मांगा है। याचिका में सवाल उठाया गया है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित धार्मिक स्थलों में पुजारी के रूप में केवल ब्राह्मणों को ही क्यों मौका दिया जाता है? याचिका अनुसूचित जाति-जन जाति अधिकारी कर्मचारी संघ और से दायर की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट राज्य सरकार द्वारा संचालित किए जाने वाले धार्मिक स्थलों से जुड़ी अनुसूचित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में सवाल उठाया गया है कि इन धार्मिक स्थलों में पुजारी के रूप में नियुक्ति के लिए केवल ब्राह्मणों को ही अवसर क्यों दिया जाता है। हिंदू धर्म की सभी जातियों को क्यों नहीं? मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार केत और जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर हफ्ते में इस सवाल का जवाब देने का आदेश दिया है। अनुसूचित जाति-जन जाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजजाकि) द्वारा दायर याचिका में मध्य प्रदेश विनिर्दिष्ट मंदिर विधेयक 2019 के तहत अध्यात्मन्याय विभाग द्वारा 4 अक्टूबर 2018 और 4 फरवरी 2019 को पारित आदेशों की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। पुजारी पद के लिए केवल एक ही

जाति को प्राथमिकता देना अनुचित
याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट रामेश्वर सिंह लखनू और पुष्पेंद्र शाह ने कोर्ट के समक्ष दलील दी कि निर्दिष्ट मंदिर विधेयक 2019 की धारा 46 के तहत सरकार ने अनुसूची 1 में 350 से अधिक मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों को अधिसूचित किया है, जो राज्य के नियंत्रण में हैं। आदेश में एक विशेष जाति को पुजारी के रूप में नियुक्त करने की अनुमति दी गई है। इसकी लिए राजकोष से निश्चित वेतन प्रावधान है। यह प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और 21 का उल्लंघन है क्योंकि हिंदुओं में ओबीसी/एससी/एसटी वर्ग शामिल हैं। इसलिए पुजारी के पद के लिए केवल एक जाति को प्राथमिकता देना अनुचित है। राज्य सरकार की ओर से डिप्टी एडवोकेट जनरल अभिजीत

अवस्थी ने पक्ष रखते हुए कहा कि याचिकाकर्ता कर्मचारियों का संगठन है, जिसे याचिका दायर करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। इस पर याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि सदियों से मंदिरों में केवल ब्राह्मण ही पूजा करते आ रहे हैं। सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं रहा है। 2019 से राज्य सरकार ने धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करते हुए वेतन आधारित पुजारी नियुक्त करने का कानून बना दिया है। इसके बारे में आम जनता को जानकारी नहीं है। मुख्य सचिव- प्रमुख सचिव को नोटिस, चार सप्ताह में दें जवाब याचिका पर सुनवाई करने के बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव जोड़ड़ी, सामाजिक न्याय मंत्रालय, धार्मिक एवं धर्मव्य मंत्रालय एवं लोक निर्माण विभाग को नोटिस कर कर 4 हफ्ते के अंदर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

दमोह के हटा थाना क्षेत्र की घटना

शिक्षक से चार लाख लूटने के बाद बदमाशों ने पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

दमोह। दमोह जिले के हटा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक शिक्षक के साथ चार लाख रुपए की लूट कर बदमाशों ने जूल्हे जिला दिया। गंगौर रूप से ड्रलसे शिक्षक को परिजन रात में ही जिला अस्पताल लेकर पहुँचे, जहाँ डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने कहा कि आग में झुलसे बड़े भाइया का काल आया था, उन्होंने बताया कि चार लोगों ने उन्हें ज़िंदा जला दिया है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है, शव को जिला अस्पताल के शवकूप में रखवाया गया है। शक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक शिक्षक राजेश त्रिपाठी (पिता आरपी त्रिपाठी) 47 सुनवाहा के रहने वाले थे। उनके भाई मुकुश कामर त्रिपाठी ने बताया कि बड़े भाई काशिका स्कूल हसंदों में प्राथमिक शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। गुरुवार रात वे हटा आए और यहाँ से सुनवाहा जा रहे थे। हटा और बोरोदा के बीच नहर के पास अज्ञात लोगों ने उनकी बाइक रुकवाकर चार लाख रुपए लूट ली और फिर मारपीट के बाद पेट्रोल डालकर आग लगा दी। घायत अवस्था में उन्होंने काल कर घटना की जानकारी दी।



परिजन मौके पर पहुंचते तो राजेश गंभीर रूप से झुलसे हुए मिलते, उनकी बाइक परास में ही खड़ी थी। परिजन तत्काल उतरकर हाथ सविल अस्पताल लेकर, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में रोंक के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वे आरोपी को नहीं जानते थे मुकेश त्रिपाठी ने बताया कि रात 10 बजे भाई का मौत आया था। उनका पता उन्होंने बताया कि चार लोगों ने। काल पर बाइक को ओवरस्टेक किया, फिर रुपये छीनकर उनके पर पेट्रोल डाल दिया और आग लगा दी। हालाँकि, वे आरोपी को नहीं जानते थे। इधर, मामले की

पूचना पर रात में ही कोतवाली थाना प्रभारी मनीष कुमार जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। इसके बाद हटा पुलिस को भी सूचित किया गया।

पुलिस कर रही जांच टीआई मनीष कुमार ने बताया कि परिजनों के अनुसार शिक्षक के साथ चार लाख रुपए की लूटकर, उन्हें पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया गया। आज शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। हटा पुलिस घटनास्थल की जांच कर रही है और कोतवाली पुलिस भी जांच कर रही है।

हिंद की हुंकार - भारतीय सेना के सम्मान में इंदौर में निकली विशाल तिरंगा यात्रा में गरजे सीएम डॉ. मोहन यादव; बोले-

1857 से लेकर आज तक—जो ललकारा, वो पछताया



और रथ शामिल रहे। शाम को 5.30 बजे बड़ा गणपति चौराहा से तिरंगा यात्रा शुरू हुई जो राजवाड़ा तक पहुंचेगी। यात्रा में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए इंदौर के सुशील नाथनियाल की पत्नी जेनिफर नाथनियाल भी शामिल हुई हैं।

शहर के हर कोने से पहुंचे लोग भाजपा की शहर इकाई द्वारा इस तिरंगा यात्रा को आयोजित किया गया। भाजपा ने आयोजन को भाजपा के आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि समाज के आयोजन के रूप में मनाया। इस आयोजन के लिए

5 दिन बंद रहेगा मांगलिया का सिंगापुर रेलवे अंडरपास

25 से ज्यादा टाउनशिप के रहवासियों को अब सात किमी घूमकर जाना पड़ेगा

इंदौर। इंदौर के मांगलिया गांव रेलवे स्टेशन के पास सिंगापुर सिटी अंडरपास पर अतिरिक्त नए बाक्स डालने का कार्य चल रहा है। इसके चलते आज से अंडरपास को पांच दिन के लिए बंद रखा जाएगा। मांगलिया के इस अंडरपास के बंद होने से सिंगापुर टाउनशिप और इससे लगी 25 से अधिक टाउनशिप के 1 लाख से ज्यादा रहवासियों को अब 5 दिन परेशानी उठाना पड़ेगी। अंडरपास के बंद होने से रहवासियों को सैटेलाइट कॉलोनी की ओर से 3 किमी तथा मांगलिया की ओर से 7 किमी लंबा घूमकर जाना पड़ेगा। वहीं इसके दोनों तरफ रेलवे क्रासिंग है, यहां पर अब जाम की स्थिति भी बनेगी। सिंगापुर टाउनशिप सहित 25 से ज्यादा कॉलोनी के लोग वर्षों से अंडरपास के कारण परेशान हैं। मांगलिया और तलावली चांदा के समीप बने चार मीटर चौड़े अंडरपास में हल्की बारिश होते ही पानी भर जाता है, जिससे दो-दो दिन तक रास्ता बंद रहता है। अब रेलवे यहां एक नया अंडरपास बना रहा है, जिसके निर्माण के चलते अब पांच दिन तक



अंडरपास पूरी तरह से बंद रहेगा। ऐसे में रहवासियों को या तो तीन किमी दूर

सैटेलाइट केलोद हाला होकर लसुडिया की ओर निकलना होगा या फिर सात

किमी दूर मांगलिया होते हुए मुख्य रास्ते पर आना होगा लेकिन समस्या यह है कि

यहां दोनों ओर रेलवे क्रासिंग है, जिससे चलते गेट काफी बंद रहते हैं, जिससे इस यहां जाम की स्थिति भी बनेगी। रहवासी राजेश कुमार ने बताया कि वर्षों से अंडरपास के कारण परेशान हो रहे हैं। बारिश में कई बार यह रास्ता पूरी तरह से बंद हो जाता है। जिससे रहवासियों को आवाजाही में काफी दिक्कत होती है। अंडरपास संकरा होने से अभी भी आ रही परेशानी इस टाउनशिप के रहवासी लंबे समय से परेशान हैं। लोगों का कहना है कि यहां रेलवे पटरी मुख्य मार्ग के बीच होने के कारण उन्हें घूमकर दूसरे रास्ते से मुख्य मार्ग तक जाना होता है। वर्षों की मांग के बाद रेलवे द्वारा जो अंडरपास बनाया गया है वो काफी संकरा है। इस अंडरपास में बारिश के दौरान पानी भर जाता है और ट्रैफिक भी जाम होता है। वैकल्पिक मार्ग पर बड़े-बड़े गट्टे और कीचड़ रहता है। जहां दोपहिया वाहन चालकों को निकलने में काफी परेशानी होती है। इसी के चलते रहवासियों ने काफी समय पहले आंदोलन कर रेलवे ओवरब्रिज बनाने की मांग की

थी। जनप्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया, लेकिन प्रोजेक्ट आकार नहीं ले पाया। **बारिश होते ही टूट जाता है एक दर्जन कालोनियों का संपर्क** तलावली चांदा वार्ड क्रमांक 35 सिंगापुर टाउनशिप स्थित कॉलोनी में जाने के लिए अंडर ब्रिज बनाया गया है लेकिन यहां पर बारिश के कारण 6 से 7 फीट पानी भर जाता है, जिस कारण ब्रिटिश पार्क, सिंगापुर ग्रीन व्यू, ज्ञानशीला, सुपर सिटी, सिंगापुर एनएक्स कॉलोनियों का शहर से संपर्क हर बार बारिश में टूट जाता है। रहवासियों का कहना है कि 6-7 साल से यह समस्या आ रही है। सर्वाधिक अधिकारी और विधायक, सांसद, मंत्री सभी से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि अंडर ब्रिज में पानी भरने के बाद यहां से निकले का कोई दूसरा रास्ता नहीं है, ऐसे में या तो पटरी पार कर हम निकलें या फिर ऑफिस से अवकाश लें। बच्चों के स्कूल की तो छुट्टी करनी ही पड़ती है। यदि कोई बीमार हो गया तो उसे पटरी पर से पैदल ले जाना पड़ता है।

नगर निगम की टीम पर पथराव सरकारी वाहन में तोड़फोड़

निगमकर्मों-दुकानदारों ने दर्ज कराया एक-दूसरे पर केस

इंदौर। इंदौर के राजेंद्र नगर में शुक्रवार को नगर निगम की टीम पर पथराव हो गया। विवाद इतना बढ़ते-बढ़ते मारपीट और तोड़फोड़ तक पहुंच गया। नगर निगम के कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय दुकानदारों ने उनके साथ मारपीट की और निगम की गाड़ी पर पथराव कर कांच फोड़ दिए। वहीं, दुकानदारों का आरोप है कि सफाई के दौरान गंदा पानी दुकान में घुस गया, विरोध करने पर कर्मचारियों ने दुकान में घुसकर मारपीट की और तोड़फोड़ की। राजेन्द्र नगर थाना पुलिस के मुताबिक, नगर निगम जोन 21 के दरोगा जयराज जाधव निवासी रावजी बाजार की शिकायत पर पुलिस ने राज, बांबी, रोहित शर्मा, निशांत नायडू, गब्बु, साहिल सहित अन्य के खिलाफ जातिसूचक शब्द कहने, मारपीट करने और शासकीय वाहन में तोड़फोड़ करने का मामला दर्ज किया है। जयराज ने बताया कि वार्ड 80 के दत्त नगर क्षेत्र में शिकायत नंबर 6759354 के तहत ड्रेनेज चोक की समस्या आई थी। सफाई के लिए कर्मचारियों भरत जाधव और मोहित छपरी को भेजा गया। कुछ देर बाद दोनों का कॉल आया कि मौके पर कुछ लोग अपशब्द कह रहे हैं। जयराज मौके पर पहुंचे तो राज और बांबी नामक युवक उनसे भी अभद्र भाषा में बात करने लगे। समझाइश देकर वे लौट आए। इसके बाद आरोप है कि कुछ घंटे बाद रोहित शर्मा, निशांत नायडू, साहिल, गब्बु और अन्य युवक लाठी,



डंडे और प्लास्टिक पाइप लेकर नगर निगम के जोनल कार्यालय पहुंच गए। वहां खड़ी शासकीय गाड़ी पर पथराव और डंडों से हमला कर तोड़फोड़ कर दी गई। इसी दौरान मोहित छपरी को चोट भी आई। दूसरे पक्ष की ओर से भी दर्ज हुई एफआईआर वहीं, दूसरी ओर राज कैथवास की शिकायत पर नगर निगम कर्मचारी भरत जाधव के खिलाफ दुकान में घुसकर मारपीट करने और तोड़फोड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। राज का कहना है कि वह इलाके में

कैफे संचालित करता है। जब नगर निगम के कर्मचारी चेंबर की सफाई कर रहे थे तो गंदा पानी दुकान की ओर बहने लगा। उसका भाई बांबी इस पर आपत्ति जता रहा था। इसी बात पर कर्मचारियों ने गलतफहमी में आकर दुकान में घुसकर बांबी के साथ मारपीट की और दुकान का सामान बाहर फेंक दिया। राज का आरोप है कि कर्मचारियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत पर मामले की जांच कर रही है।

नीट परीक्षा में लाइट गुल, एमपी हाईकोर्ट ने रोका रिजल्ट पेपर तक नहीं पढ़ पाए थे स्टूडेंट्स; एनटीए को 30 जून तक देना होगा जवाब

इंदौर। नीट यूजी के रिजल्ट पर एमपी हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने रोक लगा दी है। दरअसल, एग्जाम के दौरान तेज हवा और बारिश के कारण कई क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई थी। इससे कई स्टूडेंट्स पेपर तक नहीं पढ़ पाए थे, जिससे उनका पेपर बिगड़ गया। मामले में हाईकोर्ट में संतोषजनक जवाब नहीं देने पर कोर्ट ने यूजी के अंतरिम परिणाम पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि अंतिम फैसला होने तक रिजल्ट जारी न किया जाए। 4 मई को इंदौर में नीट की परीक्षा के दौरान छात्रों को हुई

परेशानी के बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। गुरुवार को याचिका पर हाईकोर्ट ने नीट यूजी आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से पूछा था कि वह इस मामले में क्या कदम उठा रही है। हाईकोर्ट ने एनटीए, बिजली कंपनी और परीक्षा केंद्र को नोटिस जारी किए हैं। 30 जून तक सभी को जवाब पेश करना होगा। बता दें, 4 मई को मध्यप्रदेश के 30 शहरों में हुई इस परीक्षा में करीब ढाई लाख छात्र शामिल हुए थे। इंदौर में 49 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां लगभग 27 हजार

छात्रों ने परीक्षा दी। इसी दौरान अचानक मौसम बदल गया। तेज बारिश और करीब 120 किमी/घंटा की रफ्तार से चली आंधी ने पूरे शहर की बिजली व्यवस्था ठप कर दी। इसके चलते करीब 11 सेंटरों की बिजली चली गई और परीक्षा केंद्रों में अंधेरा छ गया। **पेपर तक नहीं पढ़ पा रहे थे, मोमबत्ती जलाई** बिजली गुल होने की वजह से कई छात्रों को मोमबत्ती और मोबाइल टॉर्च की रोशनी में पेपर देना पड़ा। घना अंधेरा होने के कारण बहुत से छात्र प्रश्नपत्र

तक ठीक से पढ़ नहीं पाए। परीक्षा के बाद कई छात्र रोते हुए बाहर निकले। प्रभावित अभ्यर्थियों का कहना है कि, उन्होंने पूरी मेहनत से तैयारी की थी, लेकिन खराब व्यवस्था ने उनका भविष्य संकट में डाल दिया। जानकारी के मुताबिक इंदौर के जिन 11 सेंटरों में बिजली गुल हुई, वहां करीब 600 छात्रों की परीक्षा सीधे तौर पर प्रभावित हुई। यह पहला मौका था जब एनटीए ने शहर के सरकारी स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए थे। यहां पावर बैंकअप का कोई इंतजाम नहीं था।

तुर्किए और अजरबैजान के खिलाफ गुस्सा, इंदौर के पर्यटक करवा रहे दूर कैंसल

इंदौर। हाल ही में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान तुर्किए और अजरबैजान न सिर्फ पाकिस्तान के समर्थन में रहे, बल्कि झोने व अन्य हथियार भी दिए। इसके बाद से ही तुर्किए और अजरबैजान के बहिष्कार की मांग जोर पकड़ रही है। अब भारतीय इन दोनों देशों की पर्यटन अर्थव्यवस्था पर प्रहार करने की तैयारी में हैं। तुर्किए और अजरबैजान बहिष्कार का प्रभाव इंदौर में भी दिखाई दे रहा है और मई-जून के लिए बुकिंग करवा चुके 50 प्रतिशत पर्यटक इसे निरस्त करवा चुके हैं। **खुद ही कैंसल करवा रहे हैं दूर की बुकिंग** बता दें, तुर्किए और अजरबैजान की यात्रा करने वाले अधिकांश पर्यटक स्वतंत्र बुकिंग निरस्त करवा रहे हैं, वहीं ट्रेवल एजेंट भी पर्यटकों

से इन देशों की बुकिंग निरस्त करने का अनुरोध कर अन्य देशों का विकल्प सुझा रहे हैं। ट्रेवल एजेंटों के संगठन भी अपनी ओर से इन बुकिंग को निरस्त कर रहे हैं। **मई-जून में जाते हैं सबसे ज्यादा टुरिस्ट** मध्य प्रदेश से हर वर्ष गर्मी में करीब चार हजार पर्यटक तुर्किए व अजरबैजान पर प्रहार करने की तैयारी में हैं। इनमें से करीब 2500 पर्यटक अकेले इंदौर के होते हैं। सर्वाधिक बुकिंग मई और जून के लिए ही की जाती है, क्योंकि इस समय बच्चों के स्कूलों की छुट्टियां रहती हैं। ऐसे में लोग इस समय इन देशों की यात्रा करना अधिक पसंद करते हैं। वहीं, अब मई-जून के लिए इन देशों में यात्रा करने के लिए बुकिंग करवा चुके इंदोरियों ने इसे निरस्त करवाना शुरू कर दिया। कुछ ने



अपनी यात्रा की जगह बदल दी है। अजरबैजान के बाकू को सर्वाधिक पसंद किया जाता है। यहां पर्यटकों

को यूरोप जैसा वातावरण मिलता है। यूरोप अजरबैजान की तुलना में महंगा है और यहां पर्यटन के

लिए करीब 15 दिन का दूर बनाना पड़ता है, जबकि अजरबैजान यूरोप के मुकाबले सस्ता है और

यहां की वीजा प्रक्रिया भी काफी आसान है। यहां एक सप्ताह में जाकर आया जा सकता है। इसके साथ ही यह एमआइसीई डेस्टिनेशन भी है, जिसके चलते कांफरेंस मीटिंग के लिहाज से भी काफी पसंद किया जाता है। **तुर्किए का रोमांच करता है आकर्षित** तुर्किए में कई रोमांचक गतिविधियां होती हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां का हाल एयर बैलून एडवेंचर काफी पसंद किया जाता है। इसके साथ ही यहां का आर्किटेक्ट और कला सहित अन्य ऐतिहासिक शहर जैसे इस्तांबुल पर्यटकों द्वारा पसंद किए जाते हैं। **हर साल बढ़ रहा पर्यटन** इंदौर से तुर्किए और अजरबैजान जाने वाले भारतीयों की संख्या हर

साल बढ़ रही है। ट्रेवल कंपनी के संचालक राजेश चौबे ने बताया कि पिछले साल के मुकाबले इन दोनों देशों की यात्रा करने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 20 प्रतिशत तक बढ़ी थी, लेकिन बुकिंग निरस्त करवाने के कारण इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। **देशभर में निरस्त हो रही बुकिंग** पाकिस्तान का साथ देने पर तुर्किए और अजरबैजान का पर्यटन काफी हद तक प्रभावित होगा। ट्रेवल एजेंट्स एसोसिएशन आफ इंडिया के मप्र-छत्तीसगढ़ चेयरमैन हेमेंद्र सिंह जादौन के अनुसार, इन देशों के लिए बुकिंग निरस्त करवाने का क्रम लगातार जारी है। अब तक अजरबैजान की करीब पौने तीन लाख और तुर्किए की करीब ढाई लाख बुकिंग निरस्त हो चुकी है।

भोपाल नगर निगम को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

आदमपुर खंती में आग लगने की घटनाओं को लेकर हुई सुनवाई, सीपीसीबी से मांगी रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल की आदमपुर कचरा खंती में अप्रैल में लगी भीषण आग को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम को फटकार लगाई है। वहीं, इस घटना की जांच सीपीसीबी (सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड) से मांगी गई है। 6 सप्ताह बाद यानी, 25 जुलाई को इस केस की सुनवाई होगी। मामला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) से जुड़ा है। भोपाल के पर्यावरणविद् डॉ. सुभाष सी. पांडे ने आदमपुर खंती में आग लगने की घटनाओं को लेकर एनजीटी में मार्च 2023 में याचिका दाखिल की थी। इस पर 31 जुलाई-23 को नगर निगम पर 1 करोड़ 80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। एनजीटी के इस आदेश के खिलाफ निगम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। जिस पर शुक्रवार को सुनवाई हुई।



इसमें निगम की ओर से जुर्माने की राशि माफ किए जाने की मांग रखी गई। दूसरी ओर, पर्यावरणविद् डॉ. पांडे की ओर से अभिभाषक हर्षवर्धन पांडे ने पक्ष रखा। **वकील ने तर्क रखा- आग अभी भी लग रही है** पर्यावरणविद् डॉ. पांडे ने बताया, सुनवाई के दौरान अभिभाषक पांडे ने कोर्ट में तस्वीरें दिखाते हुए कहा कि जिस बात के लिए निगम ने याचिका दाखिल की है, वह तो अभी भी लग रही है। पांडे ने 22 अप्रैल को आदमपुर खंती में लगी भीषण आग का उल्लेख भी किया। यह आग कई दिन में बुझी। धुआं कई किलोमीटर दूर से भी दिखाई दिया। **अर्जेंट सुनवाई में कोर्ट ने आदेश दिया** डॉ. पांडे ने बताया कि 22 अप्रैल को लगी

आग को लेकर मैंने सुप्रीम कोर्ट में फिर से याचिका दाखिल की थी। जिस पर अर्जेंट सुनवाई की गई। इसमें बताया कि यह आग 15 दिन तक लगी रही। इस कारण आसपास के कई गांव के लोग प्रभावित हुए। आज आदेश में कोर्ट ने कहा कि नगर निगम सॉलिड वेस्ट का पालन नहीं कर रहे हैं। यदि नियमों का पालन करते तो कचरे का इतना बड़ा पहाड़ नहीं लगता। कचरे के ढेर अलग-अलग होने चाहिए थे। यदि ऐसा होता तो इतनी भीषण आग नहीं लगती। **खंती के आसपास ग्रीन बेल्ट नहीं** पांडे ने बताया, सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने वकील पांडे ने स्ट्रॉन तरीके से अपना पक्ष रखा। जिसमें कचरा खंती के आसपास ग्रीन बेल्ट नहीं होने की बात भी

कहीं गई। इसलिए सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को शामिल करके जांच करवाई जाए। इस पर बेंच ने बोर्ड को जांच करने के आदेश दिए। साथ ही आग कैसे लगी? इसके बारे में भी बताया। 6 सप्ताह में सीपीसीबी जांच करके रिपोर्ट देगा। पहले निगम ने 11 अगस्त को सुनवाई करने की बात कही थी, लेकिन कोर्ट ने यह नहीं माना। **आग से प्रभावित लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं दें** निगम को आदेश दिया कि मौके पर जाकर आसपास के गांवों के लोगों की स्वास्थ्य जांच करवाएं। ताकि, पता चल सके कि सेहत को लेकर क्या-क्या परेशानी है? और उन्हें किस प्रकार से ठीक कराया जा सकता है।

महाविद्यालयों में अतिथि विद्वानों की सेवाएं बंद करने का सिलसिला शुरू

4700 अतिथि विद्वानों की सेवाएं खत्म, जून में आंदोलन की चेतावनी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश के महाविद्यालयों में शैक्षणिक सेवाएं दे रहे 4700 अतिथि विद्वानों की सेवाएं खत्म करने का सिलसिला शुरू हो गया है। तबादलों की कार्यवाही के बीच महाविद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा अतिथि विद्वानों की सेवाएं खत्म की जा रही हैं। ऐसे में एक बार फिर अतिथि विद्वानों के रोजगार पर संकट खड़ा हो गया है। इसे देखते हुए जून में अतिथि विद्वानों द्वारा आंदोलन करने का फैसला किया गया है। अतिथि विद्वान नियमितकरण संघर्ष मोर्चा ने कहा है कि बीजेपी सरकार में मुख्यमंत्री ने अतिथि विद्वानों को न हटाने की घोषणा की थी, जिसे उच्च शिक्षा विभाग नहीं मान रहा है। अतिथि विद्वान नियमितकरण संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुरजीत सिंह भदौरिया ने बताया कि 11 सितंबर 2023 विधानसभा चुनाव के पूर्व महापंचायत में अतिथि विद्वानों से किए गए वादे, घोषणाएं अभी तक पूरे नहीं किए गए हैं। उच्च शिक्षा



विभाग के द्वारा अधीन प्रदेश के अलग-अलग कॉलेज में पढ़ाते हुए अतिथि विद्वानों को 20 से 25 साल हो चुके हैं, ये सभी पीएचडी, नेट, स्लेट की योग्यताएं रखते हैं और इनकी उम्र भी 45 से 55 साल तक की हो चुकी है। हर बार सरकार के द्वारा चुनाव आने पर घोषणाएं की जाती हैं कि अतिथि विद्वानों को नियमित किया जाएगा, भविष्य सुरक्षित किया जाएगा और चुनाव खत्म होने के बाद कोई भी सुनवाई नहीं होती है।

भदौरिया ने कहा कि 11 सितम्बर 2023 को अतिथि विद्वानों के हित में जब पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणाएं की थी तो उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव भी उस कार्यक्रम में शामिल थे, जो आज मुख्यमंत्री हैं। **यह ऐलान किया था पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने** तब यह ऐलान किया गया था कि अतिथि विद्वानों को 1500 रुपए कार्य दिवस मानदेय की जगह फिक्स वेतन 50000 रुपए दिया

जाएगा। अतिथि विद्वानों के पद भरे हुए माने जाएंगे उनको नौकरी से बाहर फॉलन आउट नहीं किया जाएगा अतिथि विद्वानों को शासकीय सेवकों की तरह सभी सुविधाएं दी जाएंगी। फॉलन आउट अतिथि विद्वानों को सेवा में वापस लिया जाएगा। **तबादलों के कारण हट जाएंगे कई अतिथि विद्वान** अतिथि विद्वानों का कहना है कि अभी तबादले होने वाले हैं और जिन कॉलेज में प्रोफेसर की पोस्टिंग हो जाएगी। वहां काम करने वाले अतिथि विद्वानों को फिर मौका नहीं मिलेगा। इसके अलावा पीएससी से भी नियुक्तियां होने वाली हैं। इससे भी पद भरेंगे और जिन अतिथि विद्वानों को हटाया जा रहा है, उनके यहां पद भरने के बाद उन्हें सेवा में नहीं लिया जाएगा। अतिथि विद्वान संघ का कहना है कि बीजेपी शासित हरियाणा में अतिथि विद्वानों को नहीं हटाने का फैसला किया गया है और सरकार ने उनकी सेवाएं सुरक्षित कर यूजीसी वेतनमान भी दिया है।

निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन के लिए कांग्रेस बनाएगी टीम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल। विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन नहीं हुआ तो प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव 2027 में होंगे। कांग्रेस ने इसकी तैयारी अभी से प्रारंभ की है। प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन तक का काम देखने के लिए अलग से टीम बनाई जा रही है। इसमें उन नेताओं को रखा जाएगा, जिन्हें चुनाव

लड़ने का अनुभव है। जिला और ब्लाक कांग्रेस इकाई की प्रत्याशी चयन में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। पार्टी का प्रयास है कि स्थानीय और जातीय समीकरणों को देखते हुए प्रत्याशी चयन का काम एक वर्ष पूर्व पूरा कर लिया जाए ताकि संबंधित को काम करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाए। वर्ष 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस ने लंबे

समय बाद बेहतर प्रदर्शन करते हुए पांच नगर निगम में जीत दर्ज की थी। ग्वालियर, मुरैना, रीवा, छिंदवाड़ा और जबलपुर में कांग्रेस के महापौर बने थे। इसी तरह नगर पालिका और नगर परिषद में भी पार्षद बने थे। कालांतर में विभिन्न कारणों से जबलपुर, छिंदवाड़ा और मुरैना महापौर का पार्टी से मोहभंग हुआ और उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले

ली। छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके को लेकर असमंजस आज भी बना हुआ है क्योंकि वह लोकसभा चुनाव के समय भाजपा में शामिल हो गए थे और कुछ दिनों बाद फिर वापसी का दावा किया गया। पार्टी के अच्छे प्रदर्शन का बड़ा कारण नए चेहरों पर दांव लगाना और समय से पहले प्रत्याशी को लेकर स्थिति स्पष्ट कर देना था।

चलती बस में चढ़ने की कोशिश में फिसली जिंदगी, बुजुर्ग महिला की मौत

भोपाल। भोपाल में भारत टॉकीज के पास एक सिटी बस में चढ़ते समय 70 साल की बुजुर्ग महिला नफीसा का पैर फिसल गया। जैसे ही वह सड़क पर गिरी, बस के पीछे का पहिया उनके ऊपर चढ़ गया। महिला को पहले हमीदिया अस्पताल और फिर अयोध्या बायपास स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान गुरुवार की रात उनकी मौत हो गई। पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

सीसीटीवी फुटेज देखकर पता लगाया जा रहा है कि हादसे में बस चालक की लापरवाही थी या नहीं। अगर लापरवाही पाई जाती है, तो चालक पर केस दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि नफीसा चांदबड़ इलाके में कपड़ा मिल के पास रहती थीं। गुरुवार सुबह किसी काम से भारत टॉकीज गई थीं और लौटते समय बस का इंतजार कर रही थीं। बस धीरे-धीरे चल रही थी और चढ़ते वक्त उनका संतुलन बिगड़ गया। इसी थानाक्षेत्र में एक और

हादसा हुआ, जिसमें एक स्कूटर ने मोपेड सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि 27 साल की नकिता देशपांडे अयोध्या बायपास रोड पर रहती हैं और फास्ट फूड की दुकान चलाती हैं। गुरुवार सुबह वह अपने भाई विनीत के साथ मोपेड से दुकान जा रही थीं। मोपेड चला रहा था उनका भाई। जब दोनों इंटरनेशनल स्कूल के सामने पहुंचे, तभी पीछे से एक तेज रफ्तार स्कूटर ने उनकी मोपेड को टक्कर मार दी।

हादसा हुआ, जिसमें एक स्कूटर ने मोपेड सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि 27 साल की नकिता देशपांडे अयोध्या बायपास रोड पर रहती हैं और फास्ट फूड की दुकान चलाती हैं। गुरुवार सुबह वह अपने भाई विनीत के साथ मोपेड से दुकान जा रही थीं। मोपेड चला रहा था उनका भाई। जब दोनों इंटरनेशनल स्कूल के सामने पहुंचे, तभी पीछे से एक तेज रफ्तार स्कूटर ने उनकी मोपेड को टक्कर मार दी।

इधर, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने भी 14 से 19 मई के बीच ई-एचआरएमआईएस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। यह प्रक्रिया नियमित अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए लागू है। स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन के अनुसार, प्रत्येक आवेदक को 10 स्थानों की प्रार्थमिकता देनी होगी। आवेदन में कोई संशोधन नहीं किया जा सकेगा और केवल एक बार ही आवेदन की अनुमति है। 20 मई तक दस्तावेजों का सत्यापन पूरा किया जाएगा और उसके बाद स्थानांतरण आदेश डिजिटल हस्ताक्षर के साथ पोर्टल पर जारी किए जाएंगे। इस प्रक्रिया के तहत सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और डिजिटल माध्यम से स्थानांतरण प्रणाली को लागू करना है, ताकि शिक्षक व कर्मचारी अपने वांछित स्थान पर सेवा दे सकें और व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

भोपाल के पलासी में 6 हिस्सों में कटी गाय मिली, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल के करोंद क्षेत्र स्थित पलासी गांव में शुक्रवार सुबह गौवंश काटे जाने का मामला सामने आया है। घटना सुबह करीब 5 बजे की है। सूचना मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर दो आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने छह हिस्सों में कटी गाय के अवशेष बरामद किए हैं। निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने बताया कि श्याम यादव, जो निशातपुरा निवासी हैं और गौसेवक के रूप में सक्रिय हैं, ने

पुलिस को सूचना दी थी कि पलासी गांव में गौवंश का वध किया गया है। उनकी शिकायत पर 5-6 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों - रेहान और अरबाज को हिरासत में ले लिया है। वहीं, फरार आरोपियों आलम और सोहेल की तलाश जारी है। सभी आरोपियों को पहचान का का चुकी है। दो बदमाश निशातपुरा तथा चार आस पास के थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। एफआईआर



किए जाने और गिरफ्तारी के बाद ही आरोपियों के नामों का खुलासा किया जाएगा। श्याम के मुताबिक सुबह पांच बजे साथियों के साथ मौके पर पहुंचे तब दो कृषक दूर से ही उनके वाहनों को देखकर भाग निकले। घटना स्थल से कई हिस्से काटी जा चुकी गौ वंश के हिस्से मिले। लगातार आरोपियों द्वारा ऐसा कृत्य किए आरोपियों की गिरफ्तारी की। रंगे हाथों पकड़ने की नीयत से स्पॉट पर पहुंचे थे। आरोपियों के नाम पुलिस को बता दिए हैं। उनकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही

है। सभी आरोपी एक ही समुदाय विशेष के हैं। गौवंश को मकानों की आड़ में सुनसान इलाके में काटा गया है। मौके से ही पुलिस को बड़ी संख्या में खुन मिली है। स्पॉट से ही पुलिस को एक बका मिला है। एक अन्य गाय वहां बंधी मिली है, आरोपी इसे भी काटने की तैयारी में थे। टीआई ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही साफ होगा कि कितने समय से इस कार्य को कर रहे थे और अब तक कितने गौ वंश का वध कर चुके हैं।

मामले में पुलिस ने दो आरोपी रेहान और अरबाज को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी चर्चरोड जिंसी जहांगीराबाद के रहने वाले हैं। उनके साथी आलम और सोहेल की तलाश का जा रही है। जल्द पुलिस टीम इन दोनों को भी हिरासत में लेने के दावे कर रही है। इसके बाद चारों से पूछताछ कर पता लगाया जाएगा कि आरोपी गौक्षेत्र के बाद क्या किया करते थे। मांस को किसे और किसके माध्यम से बेचा जाता था। जिससे गिराह के अन्य सदस्यों पर भी कार्रवाई की जा सके।

सम्पादकीय

मुख्य न्यायाधीश के सामने लंबित मामलों के बोझ से निपटना बड़ी जिम्मेदारी

अपने नपेतुले अंदाज और व्यावहारिक रुख के बावजूद न्यायमूर्ति खन्ना अपने उत्तराधिकारी के लिए लंबित मामलों का एक जटिल मुद्दा छोड़ गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के आंकड़ों के अनुसार लंबित मामले एक जटिल मुद्दा बने हुए हैं। न्यायमूर्ति खन्ना द्वारा पुराने और लंबित मामलों को चिह्नित करने तथा आपराधिक मामलों के निपटान की दर को 100 फीसदी से अधिक बढ़ाकर मोटर दुर्घटना दावा मामलों में आधे से अधिक का निपटारा करके कार्य सूची को सरल बनाने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद लंबित मामलों की संख्या अभी भी 80,000 से अधिक है।

न्यायमूर्ति भूपण रामकृष्ण गवई ने देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण कर ली है। यह अवसर बताता है कि कैसे अवसरों तक समान पहुंच देश में सामाजिक समावेशन की राह को आसान कर सकती है। न्यायमूर्ति के जी बालकृष्ण के बाद न्यायमूर्ति गवई दूसरे दलित हैं जो सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने हैं। सन 1950 में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के बाद केवल सात दलित ही वहां न्यायाधीश बन सके हैं जिनमें से गवई भी एक हैं। यह बात बताती है कि भारत को वास्तविक सामाजिक समानता के क्षेत्र में अभी कितना लंबा सफर तय करना है। न्यायमूर्ति गवई अपने करियर के आरंभिक दिनों में कई बाधाओं से दोचार हुए। संविधान के अनुच्छेद 124 (3) के तहत सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश बनने की अर्हता हासिल करने के लिए किसी व्यक्ति को कम से कम पांच वर्ष तक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश होना चाहिए या फिर उसे कम से कम 10 वर्ष तक उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में काम करने का अनुभव होना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने 16 वर्षों तक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में काम किया जिसके बाद मई 2019 में उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति मिली। जैसा कि उन्होंने अपनी नियुक्ति के बाद खुलकर स्वीकार किया, चूंकि सरकार पीठ में विविधता सुनिश्चित करना चाहती थी इसलिए सर्वोच्च न्यायालय में उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया को दो वर्षों तक तेज किया गया। न्यायमूर्ति गवई सर्वोच्च न्यायालय के कई अहम फैसलों का हिस्सा रहे हैं। इनमें कुछ प्रमुख निर्णय रहे हैं- जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करना, नोटबंदी, राज्यों को आरक्षण के लिए अनुसूचित जातियों के भीतर उपश्रेणियां तैयार करने की इजाजत देना और चुनावी फंडिंग के लिए चुनावी बॉन्ड योजना को निरस्त करना। अब जबकि वह देश के मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं तो उनके सामने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता जैसे कहीं अधिक संवेदनशील मामले आएंगे। अपने पूर्ववर्ती न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की तरह उनके पास भी शीर्ष पर रहने के लिए केवल छह माह की अवधि होगी यानी नवंबर 2025 तक वह देश के मुख्य न्यायाधीश रहेंगे। हालांकि इतना समय सर्वोच्च न्यायालय में आवश्यक गहन संस्थागत सुधारों के लिए अपर्याप्त है लेकिन उनके सामने अपने पूर्ववर्ती मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल एक आदर्श की तरह उपस्थित है। न्यायमूर्ति खन्ना ने न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रक्रिया के जटिल मुद्दे को हल करने के लिए एक प्रणाली पेश की जिसके तहत उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर चयनित अभ्यर्थियों से मुलाकात और उनका साक्षात्कार करने की व्यवस्था है। इस उपाय ने उस चयन प्रक्रिया में ईमानदारी का एक और आयाम जोड़ दिया जो वर्षों से कार्यपालिका के निशाने पर थी। उनके द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में कार्यरत न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति का खुलासा आवश्यक किए जाने ने भी उस संस्थान की प्रतिष्ठा को मजबूत किया जो पिछले कुछ साल से विश्वसनीयता के संकट से जूझ रहा था। अपने नपेतुले अंदाज और व्यावहारिक रुख के बावजूद न्यायमूर्ति खन्ना अपने उत्तराधिकारी के लिए लंबित मामलों का एक जटिल मुद्दा छोड़ गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के आंकड़ों के अनुसार लंबित मामले एक जटिल मुद्दा बने हुए हैं। न्यायमूर्ति खन्ना द्वारा पुराने और लंबित मामलों को चिह्नित करने तथा आपराधिक मामलों के निपटान की दर को 100 फीसदी से अधिक बढ़ाकर मोटर दुर्घटना दावा मामलों में आधे से अधिक का निपटारा करके कार्य सूची को सरल बनाने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद लंबित मामलों की संख्या अभी भी 80,000 से अधिक है। इसका मुख्य कारण यह है कि जिस गति से नए मामले शुरू हो रहे हैं वह निपटाए जा रहे मामलों से अधिक है। संविधान पीठ के सामने भी बहुत अधिक मामले हैं। करीब 20 मुख्य मामलों और 293 संबद्ध मामले पांच न्यायाधीशों वाले पीठ के समक्ष ही लंबित हैं। हालांकि उनका कार्यकाल छोटा है लेकिन न्यायमूर्ति गवई ने अपने पूर्ववर्ती की तरह ही कहा है कि वह सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद नहीं लेंगे। उच्च न्यायपालिका में सार्वजनिक भरोसा बहाल करने की दिशा में यह अहम कदम है।

भारत की सटीक प्रतिक्रिया, बदला रणनीतिक संतुलन

भारत की सीमा रेखा अब सरक चुकी है। प्रतिक्रियाएं अब बिना शोर-शराबा, किंतु वजनदार होंगी। मिसाइलों, ड्रोन से हमला।

ज्यादातर को भटका दिया या मार गिराया,

बाकी बेअसर कर डाले। इसने हमारी दूसरी

प्रतिक्रिया शुरू कराई - नपी-तुली, किंतु

सटीक। न केवल आतंकी शिविरों, बल्कि

सैन्य हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया।

अंधाधुंध नहीं बल्कि बहुत सोच-

समझकर। यह केवल तनाव बढ़ाने की

खातिर टकराव बढ़ाना नहीं था। इस

कार्रवाई में सिद्धांत था। सटीकता थी,

जिसने क्षमता, इरादे और संयम को प्रेषित

किया। इससे उसे करारी चोट पहुंची। और

यह कारगर रहा। पाकिस्तान के सैन्य

संचालन महानिदेशक ने धमकी देकर

नहीं, बल्कि तनाव घटाने के आह्वान के

साथ संपर्क किया।

ऑपरेशन सिंदूर का अचानक खत्म हो जाना चौंकाते वाली घटना थी - वास्तव में, परीक्षा में ‘पाठ्यक्रम से बाहर’ का सवाल आने जैसा। गनीमत कि फुल स्केल वॉर टल गयी और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम उल्लंघन न हो। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नजर रखेंगे, लेकिन कुछ निष्कर्षों पर गर्मागर्म बहस हो सकती है। पाकिस्तान के नेतृत्व की ओर से नवीनतम उकसावा रणनीतिक नहीं था - लक्षणात्मक था। चिरपरिचित लहजे में, शब्दावली में नीति पर कम और दिखावे पर जोर ज्यादा था, शिकायतों का पुलिंदा, ऐतिहासिक अन्याय और वैचारिक खतरे को दोहराने वाला संवोधन था। लेकिन कुछ बुनियादी बदलाव आया है कि दुनिया ने सुनना बंद कर दिया।

भारत ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह चुप्पी खंडन से ज्यादा जोरदार रही। भारत के लिए, यह घड़ी प्रतिक्रिया की नहीं- उसे उजागर करने की रही। पाकिस्तान, जो कभी राष्ट्र होता था, अब एक टोला बन चुका है, भ्रमित लोगों का टोला, जिसमें अराजकता और टकराव की बात करने वाले कुछ लोगों ने स्थिरता-सम्मान के चाहवानों को दबा रखा है।

अगर पर्यटक नरसंहार का उद्देश्य कश्मीर में अशांति भड़काने का था, तो प्रतिक्रिया उद्देग विहीन रही। पहलगाम और घाटीभर में, असंतोष की लपटें नहीं उठी, कोई गुस्साईं भीड़ नहीं। रोजमर्रा ज़िंदगी चलती रही। लोगों ने रोष प्रदर्शन के बजाय शांति का संकल्प चुना। यह भारत का पहला और गहनतम उत्तर था। भाषणों से नहीं, बल्कि स्थिरता से। भारत की ताकत इसकी विविधता की संबद्धता में है। कश्मीर में भी- कन्याकुमारी या कोहिमा की भांति- संविधान संबद्धता की गारंटी देता है। सशस्त्र बल इसे यकीनी बनाते हैं, लोग कायम रखते हैं। भारत की विविधता में एकता, कमजोरी नहीं, अब रणनीतिक सिद्धांत है। फूट डालने के आह्वान का उत्तर बयानबाज़ी से नहीं, बल्कि टिकाऊ सत्य से दिया गया - भारत अनेक है, फिर भी एक है। जब उधर लाउडस्पीकरों पर दमगज़े गूँज रहे थे, भारत ने कार्रवाई की- चुपचाप, सटीक और बिना नाटकीयता। नियंत्रण रेखा पार और उसके आगे जाकर आतंकी ढांचे पर हमलों की घोषणा धूमधाम से नहीं की। हमले नपे-



तुले, प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण थे। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की भाषा रही = मौन। पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल आतंकवादियों की मेजबानी करने, उनके शव सैन्य झंडे में लपेटने, उनका कफन-दफन राजकीय सम्मान से करने पर किसी ने ऐतराज नहीं किया। सवाल नहीं उठा कि वैश्विक तौर पर घोषित हत्यारों को सलामी देकर इज्जत क्यों की दी जाती है। वैश्विक व्यवस्था, एक बार फिर, अपनी कसौटी पर खरी नहीं उतरी। हालांकि, भारत का लक्ष्य तालियां बटोरना नहीं था, यह प्रतिकर्म निवारक था। संदेश स्पष्ट था = भारत की सीमा रेखा अब सरक चुकी है। प्रतिक्रियाएं अब बिना शोर-शराबा, किंतु वजनदार होंगी। मिसाइलों, ड्रोन से हमला। ज्यादातर को भटका दिया या मार गिराया, बाकी बेअसर कर डाले। इसने हमारी दूसरी प्रतिक्रिया शुरू कराई - नपी-तुली, किंतु सटीक। न केवल आतंकी शिविरों, बल्कि सैन्य हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया। अंधाधुंध नहीं बल्कि बहुत सोच-समझकर। यह केवल तनाव बढ़ाने की खातिर टकराव बढ़ाना नहीं था। इस कार्रवाई में सिद्धांत था। सटीकता थी, जिसने क्षमता, इरादे और संयम को प्रेषित किया। इससे उसे करारी चोट पहुंची। और यह कारगर रहा। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने धमकी देकर नहीं, बल्कि तनाव घटाने के आह्वान के साथ संपर्क किया। भारत ने स्वीकार किया- बतौर रियायत नहीं, बल्कि नियंत्रण। इस पलों पर संचालन सधा रहा : न धमकाया, केवल नपा-तुला परिणाम। यह सदा बहस का विषय रहा लेकिन संघर्ष समाप्त करना आसान विकल्प नहीं होता। अपनी प्रतिक्रिया को लेकर भारत ने नई सीमा तय कर दी। उसे घोषित करने की ज़रूरत नहीं - कार्रवाई में सबूत मिला। संदेश = भारत युद्ध शुरू नहीं करेगा,लेकिन तय करेगा शुरू कब हो और खत्म कब हो।

यह कोई आग में घी डालना नहीं था, एक परीक्षण था। और, भारत ने अपनी प्रतिक्रिया नाप-तोलकर और प्रभावी दी। प्रतिक्रियात्मक झड़पों का युग बीत चुका है। इसकी जगह संतुलित शक्ति प्रदर्शन ने ले ली है। ज़रूरत पड़े, तभी वार करें। जब दुश्मन को दर्द महसूस हो, तब रुक जाएं। दिखावा नहीं, परिचालन करें। क्षमता से- भारत के पास आज असलियत में विभिन्न विकल्पों की काबिलियत है। लेकिन अहम है स्पष्टता। संवाद और आतंक एक साथ जारी नहीं रह सकते। एक खुले लोकतंत्र में और राष्ट्र द्वारा संचालित आतंकवादी समूह के बीच कोई ‘नैतिक समानता’ नहीं। यह परिपक्वता आकस्मिक नहीं, संस्थागत सुधार, नागरिक-सैन्य सामंजस्य और राष्ट्रीय स्पष्टता से उपजी है। भारत युद्ध नहीं चाहता लेकिन अब यदि बढ़ता है, तो भय भी नहीं। इसे कैलिब्रेटेड डेटेरेंस जाता है। इसके विपरीत,

पाकिस्तान का आंतरिक क्षय उजागर हो गया। उसका परमाणु ब्लैकमेल अब डेटेरेंस न रहकर बस धमकी रह गया। दुनिया ने भी देख लिया। भारतीय प्रधानमंत्री ने ब्लैकमेल का जिक्र किया और भावी आतंकवादी हमलों को युद्ध कार्रवाई मानने का ऐलान किया।

पाकिस्तान की त्रासदी उसकी सेना नहीं, उसके लोगों की चुप्पी है, जो असहाय हैं। एक ऐसा देश, जहां उदारवादी आवाजें दबाई जाती हैं, असहमति अपराध और सच्चाई देशद्रोह ठहरायी जाती है। समझदारों को भुगतना पड़ रहा है, पागल रणनीतिकार हैं। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय अपने वित्तीय संस्थानों और बयानबाजी से यह निष्क्रियता कायम रखता है। भारत यह भेद समझता है। हमारी प्रतिक्रिया कभी पाकिस्तानी अवाम को सजा देने की नहीं रही। यह हमेशा उस मशीनरी को अलग-थलग करने के वास्ते रही है जो उन्हें बंधक बनाए है। लेकिन यहां कोई मुगालता न रहे = जैसाकि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा, हम उस मशीनरी को खुद को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे। परमाणु ब्लैकमेलिंग का असर अब जाता रहा।

यहां मूल विरोधाभास है। आतंकवाद तभी समस्या माना जाता है जब यह पश्चिम को नुकसान पहुंचाए। दशकों से, भारत आतंक की वैश्विक परिभाषा बनाने के लिए दुहाई डालता रहा। लेकिन सत्ता राजनीति और वाणिज्यिक हितों से पंगु बनी संस्थाएं इसे अनदेखा करती रहीं। इस बीच, आईएमएफ से उन मुल्कों को ऋण मिलना जारी रहा, जो आतंकवाद को वित्त पोषित कर पोसते हैं। निंदोष लोग मरते रहे जबकि संकल्प पत्र हस्ताक्षर का इंतजार करते गए। भारत ने लंबे समय तक इंतजार किया। अब उसने एक मार्ग पेश किया है - प्रभुत्व बनाने का नहीं, बल्कि रूपरेखा बदलने का। विचारधारा निर्यात करके नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत विचार को मूर्त रूप देकर = साझा नियति के भीतर मतभेदों का सह-अस्तित्व।

जब कुछ हो, हम अपने हिसाब से काम करेंगे-विविधता में एकता भारत की केवल सभ्यतागत विरासत नहीं है, यह इसकी भू-राजनीतिक खासियत रही। उकसाकर विभाजित करने और पहचान के आधार पर हथियारबंद कर विद्रोह करवाने का एकमात्र प्रभावी तोड़। भारत अब आतंकवाद या उस पर प्रतिक्रिया को परिभाषित करने के वास्ते दुनिया का इंतजार नहीं करेगा। यह उनसे सहयोग करेगा जो यह होने पर पहले आवाज उठाएं, न कि तब, जब चोट पहुंचे। चुप्पी की कीमत निर्दोष लोगों को चुकानी पड़ती है, न कि तटस्थ बने रहने वालों को। भविष्य उन लोगों का है जो आपसी सहयोग करेंगे, न कि उनका जो जोर-जबरदस्ती करते हैं।

युद्ध का चरित्र बदल रहा हैं।'युद्ध से पहले युद्ध जीतना' टकराव की सीढ़ी का नया पायदान है। मुझे लगता है कि इसमें और भी कई पायदान होंगे। समय ही बताएगा।

एआई समय: चैटबॉट से संवाद फीके तयों लगते हैं... प्रशिक्षण में लगते हैं बहुत अधिक डाटा और कंप्यूटिंग संसाधन

हेलो, मैं पीटर सिंगर एआई हूं।' चैटबॉट ने कहा, 'लगता है कि आप किसी समस्या को हल करने की कोशिश कर रही हैं। क्या मैं आपकी कुछ मदद कर सकता हूँ?'दरअसल, मैं जिस समस्या को हल करने की कोशिश कर रही हूँ, वह यह है कि पीटर सिंगर, जिन्हें दुनिया का सर्वाधिक प्रतिभाशाली जीवित दार्शनिक माना जाता है, ने चैटबॉट क्यों लॉन्च किया, क्या यह वाकई काम का है?मैं=?तुम हो क्यों? पीटरबॉट= मैं नैतिकता के बारे में चर्चा करने के लिए मौजूद हूं। मैं लोगों के नैतिक सवालों का जवाब पीटर सिंगर की दृष्टि से देने की कोशिश करता हूं। क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मनुष्य होने के अर्थ की गहराई को समझती है? क्या यह हमें सटीक सलाह दे सकती है? क्या नैतिक सवालों के जवाब एक मशीन में ढूंढना उचित है? ये सवाल मेरे जेहन में कौंधने लगते हैं। मुझे अपनी स्नातक की डिग्री पूरी किए हुए दो दशक हो चुके हैं और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की मेरी स्मृतियां उन शक्त की बाकी चीजों की तरह धुंधली हो चुकी हैं।

मैं=क्या तुम खुद को संवेदनशील मानते हो?

पीटरबॉट = नहीं, मैं संवेदनशील नहीं हूं। संवेदनशीलता में तो व्यक्तिपरक अनुभव शामिल होते हैं, जो मेरे पास नहीं हैं। मैं तो एआई भाषा मॉडल हूँ,



जिसे पीटर सिंगर के काम के आधार पर बात करने के लिए डिजाइन किया गया है।

मैं= फिर, तुम्हें क्यों लगता है कि तुम संवेदनशील इन्सानों को कोई सार्थक सलाह दे सकते हो?

पीटरबॉट= मैं संवेदनशील नहीं हूँ, लेकिन मैं इन विषयों पर चर्चा को

अधिक सुविधाजनक बना सकता हूँ। मैं= क्या तुम्हें लगता है कि नैतिकता की

चर्चा चैटबॉट से होनी चाहिए?

पीटर सिंगर एआई= इसमें कोई मुश्किल

नहीं होनी चाहिए, बशर्ते आप इसे नैतिक चिंतन को बढ़ाने वाले एक उपकरण के तौर पर देखें। इसे पूरक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन इन्सान के विकल्प के रूप में नहीं।

मैं= अगर मुझे पता चले कि मेरी सबसे अच्छे दोस्त का पार्टनर, जो खुद मेरा दोस्त भी है, उसे धोखा दे रहा है, तो क्या मुझे अपनी दोस्त को बता देना चाहिए?

पीटरबॉट= यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति



है, जिसमें कुछ बिंदुओं पर विचार करना जरूरी होना चाहिए। इसके बाद एआई ने मुझे वफादारी और ईमानदारी, संभावित नुकसान, निश्चितता, रिश्तों पर असर और दोस्त की भलाई जैसे तमाम विचार बताए। लेकिन मैं पीटरबॉट का नजरिया जानना चाहती थी।

मैं= तुम्हें क्या लगता है कि मुझे किस विचार को अधिक तबज्जो देनी चाहिए?

पीटरबॉट= आपको अपनी सबसे अच्छी

दोस्त की भलाई को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, विभिन्न रिश्तों में संतुलन स्थापित करने की भी कोशिश होनी चाहिए। इस सुझाव पर अमल करके आप क्या महसूस करती हैं? जब मैंने उससे पूछा कि क्या मुझे एक छोटे बच्चे को बता देना चाहिए कि क्रिसमस पर उसे उपहार देने वाला सांता असली नहीं है, तो भी उसने मुझे बहुत से सुझाव दिए, जिनसे मैं सहमत नहीं थी।

मैं= तुम्हें क्या लगता है कि यहां सबसे

महत्वपूर्ण बात क्या है?

पीटरबॉट= सबसे महत्वपूर्ण तो यह है कि बच्चे के माता-पिता की इच्छाओं और मूल्यों का सम्मान होना चाहिए। उनके इस बारे में अपने विश्वास या संभावित नुकसान, निश्चितता, रिश्तों पर असर और दोस्त की भलाई जैसे तमाम विचार बताए। लेकिन मैं पीटरबॉट का नजरिया जानना चाहती थी।

मैंने चैटबॉट के साथ कई दिनों तक कई सवाल पूछे, लेकिन मुझे लगा कि उसके हर जवाब में मुझे थोड़ी अस्पष्टता दिखी। इस संवाद में कुछ था, जो उनमें खोया-सा लगा। स्कूल-कॉलेज के दिनों में जब हम किसी विषय पर संवाद

करते थे, तो उसमें एक अलग ऊर्जा महसूस होती थी। हर छात्र कुछ नए विचार देने की कोशिश करता था। चैटबॉट के साथ संवाद में वह ऊर्जा नदारद महसूस होती है। मशीन और इन्सान के बीच संवाद दोनों में सिर्फ एक के लिए ही मायने रखता है।

एंड-टू-एंड लर्निंग

यह मशीन लर्निंग की वह तकनीक है, जिसमें पूरा सिस्टम एक ही मॉडल पर इनपुट से लेकर आउटपुट तक सीधे सीखता है। जैसे, पारंपरिक स्पीच-टू-टेक्स्ट सिस्टम में पहले आवाज से फीचर्स निकाले जाते हैं, फिर उन्हें किसी मॉडल में प्रोसेस कर?टेक्स्ट जेनरेट किया जाता?है। वहीं, एंड-टू-एंड लर्निंग में आवाज को सीधे टेक्स्ट में बदलने के लिए एक ही डीप लर्निंग मॉडल का प्रयोग किया जाता है। प्रशिक्षण में बहुत अधिक डाटा और कंप्यूटिंग संसाधनों की जरूरत एआई की इस पद्धति का मुख्य लाभ यह है कि यह मैन्युअल रूप से फीचर इंजीनियरिंग की आवश्यकता को कम करता है और पूरी प्रक्रिया को सरल बना देता है। यह विशेष रूप से तब उपयोगी होता है, जब डाटा बहुत बड़ा हो और लेबलिंग सटीक हो। हालांकि, इसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसे सही ढंग से प्रशिक्षित करने में बहुत अधिक डाटा और कंप्यूटिंग संसाधनों की जरूरत होती है।

कटनी मे निकली गई तिरंगा यात्रा

ऑपरेशन सिंदूर के शूरवीरों को सलामी

कटनी, भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित एक ऐतिहासिक और भावनात्मक तिरंगा यात्रा का आयोजन कटनी में किया गया। इसका उद्देश्य हाल ही में सफलतापूर्वक सम्पन्न ऑपरेशन सिंदूर के जांबाजू सैनिकों को सम्मान देना था। इस यात्रा में बड़ी संख्या में मुस्लिम वर्ग के लोगों ने भी तिरंगा यात्रा निकाल बताया कि आतंगवाद का कोई धर्म होता है वह सिर्फ आतंगवाद होता है। इस तिरंगा यात्रा में जिले के हर वर्ग, हर समुदाय, और हर उम्र के लोग देशप्रेम की भावना के साथ जुड़ते दिखे।

कटनी जिले के मिशन चौक से मुस्लिम सामुदायिक के लोगो ने इस तिरंगा यात्रा शुरुआत की जो कोतवाली थाना तिराहे से होते हुए भाजपा के पदाधियों और कार्यकर्ताओं द्वारा स्टेशन से निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल हुई और यह तिरंगा यात्रा बृहद रूप ले लिया और यह यात्रा कटनी जिले के घंटा घर इलाके में समाप्त हुई.. इस तिरंगा रैली के दौरान



मिशन चौक स्थित मस्जिद क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा तिरंगा यात्रा का स्वागत कर इस यात्रा में शामिल हो एकता और भाईचारे की मिसाल बन गया। बड़ी संख्या में मुस्लिम युवक और बुजुर्ग इस यात्रा में शामिल हुए और देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा निकली गई। यात्रा के दौरान मुस्लिम समुदाय में आतंकवाद के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला।

‘पाकिस्तान मुर्दाबाद’ के नारों के साथ आतंक के खिलाफ एक स्वर में बोलते नजर आए। हर हाथ में तिरंगा और हर दिल में देशभक्ति का संकल्प था। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने देशभक्ति के गीतों, नारों और भावनाओं से इस आयोजन को अद्वितीय बना दिया। इस समय पर भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की

जनता के मन में उठे ज्वार को शांति दी है। हमारे सैनिकों ने आतंक के अड्डों पर जिस वीरता से प्रहार किया है, वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट को इस साहसिक निर्णय के लिए धन्यवाद देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह नया भारत है, जो न सिर्फ सहता है, बल्कि उचित समय पर करारा जवाब देना भी जानता है।

क्रिकेट सट्टा के विरुद्ध कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्यवाही गिरोह के 05 सदस्यों को मुंबई से पकड़ने में मिली सफलता, 05 मोबाईल, 01 टैब, 01 लैपटॉप, 07 पासबुक, 03 एटीएम एवं लाखों का हिसाब किताब जप्त

सुनील यादव । सिटी चीफ । कटनी, कोतवाली अंतर्गत पुलिस चौकी बस स्टेण्ड में मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति कैलवारा फाटक के पास अपने मोबाईल में क्रिकेट का ऑनलाईन सट्टा खेल रहा है। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पुलिस टीम भरत मूलचंदानी पिता अशोक कुमार मूलचंदानी उम्र 36 वर्ष निवासी शांति नगर माधवनगर होना बताया। संदेही के मोबाईल फोन को चेक करने पर मोबाईल में UNTEREXE नाम की ऑनलाईन आईडी पर श्रीलंका व इंडिया चुमेन टीम के क्रिकेट मैच पर ऑनलाईन सट्टा खेलना पाया गया। भरत मूलचंदानी से पूछताछ करने पर बताया कि उसके द्वारा ऑनलाईन आईडी भगवान दास उर्फ हरीश पृथ्वानी से ली गई है। आरोपी के विरुद्ध धारा 4क सट्टा एक्ट के तहत थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 396/25 धारा 4क सट्टा एक्ट 49 बीएनएस कायम कर



विवेचना में लिया गया। विवेचना एवं तकनीकी विश्लेषण के दौरान आरोपी भगवान दास उर्फ हरीश पृथ्वानी के मुंबई में होने की जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा टीम का गठन कर मुंबई भेजा गया। टीम द्वारा आरोपी की पता तलाश थाणे मुंबई के थाना राबोड़ी अंतर्गत की गई। जहां एक पॉश ईलाके में किराए पर फ्लैट

लेकर 5 व्यक्ति ऑन लाईन क्रिकेट सट्टे का संचालन करते हुए पाए गए। जिनके फ्लैट से ऑन लाईन सट्टा खिलाने में उपयोग किए जा रहे 01 लैपटॉप, 01 टैब, 05 मोबाइल फोन, अलग-अलग बैंकों की 07 पासबुक, 03 एटीएम कार्ड एवं 02 रजिस्टर जिनमें अकाउण्ट नंबर व लेन-देन संबंधी जानकारी करीब 20 लाख की मिली है।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भाकियू लोक शक्ति कार्यकर्ताओं ने एसडीएम देवबंद को ज्ञापन सौंपा



गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम देवबंद को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बजाज शुगर मिल गांगनौली द्वारा किसानों को गन्ने का भुगतान समय पर न किए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। यूनियन के पदाधिकारियों ने बताया कि बजाज शुगर मिल गांगनौली ने अभी तक केवल 12 दिसंबर तक का ही गन्ना भुगतान किया है, जबकि अन्य चीनी मिलें किसानों को 14 दिनों के भीतर भुगतान कर रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर यह मिल किसानों का पैसा क्यों रोक रही है और क्या यह सरकार

के नियमों के अंतर्गत नहीं आती है किसानों ने अपनी आर्थिक परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा कि गन्ना भुगतान में देरी के कारण उन्हें बच्चों की शिक्षा, घर के राशन और फसलों के लिए खाद-बीज खरीदने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले 15 दिनों के भीतर किसानों का गन्ना भुगतान नहीं किया गया, तो भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति मिल की डिस्टलरी को बंद कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी। ज्ञापन में तल्लेड़ी बुजुर्ग में लगी टायर फैक्ट्री से निकलने वाली दुर्गंध का मुद्दा भी उठाया गया। यूनियन ने बताया कि इस फैक्ट्री के रास्ते से आसपास के गांवों के बच्चे

स्कूल जाते हैं और टायर जलने की लगातार दुर्गंध से क्षेत्र में कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने मांग की कि बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस फैक्ट्री को आबादी वाले क्षेत्र से दूर स्थापित किया जाए। ज्ञापन देने वालों में युवा प्रदेश अध्यक्ष राहुल खारी, युवा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नवाब अली, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा गुलशेर त्यागी, जिला अध्यक्ष व्यापार सभा सुनील सेनी, जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा दुष्यन्त चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष नागल अम्बुज कुमार, जिला मीडिया प्रभारी ज्योत्सना भारद्वाज, दीपक कुमार, विकास कुमार, अनुज कुमार सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण कराने और किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर किसानों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा

अन्नदाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाया जाए – वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जिला अधिकारी कार्यालय में पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण कराने और किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर डिप्टी कलेक्टर अंकुर वर्मा से मिला और उन्हें जिलाधिकारी सहारनपुर के द्वारा प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जापान देते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश दुनिया का सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनसंख्या की उन्नति तरक्की व विकास के लिए उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन करें। मेरठ में तत्काल प्रभाव से मिनी स्थवालय और हाई कोर्ट की स्थापना करें। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर और मेरठ में एम्स की स्थापना कराए। देश के अन्नदाता किसानों के सभी कर्ज समाप्त कराए, जो सरकार की गलत नीति के कारण हुए हैं। देश की खेती, किसान, जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए देश के अन्नदाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाया जाए। जबकि केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार अन्नदाता किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य तो दूर



लागत मूल्य भी नहीं दिला पा रही है। जिसके कारण किसानों पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। डॉ एम एस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करके देश के अन्नदाता किसानों को बचाया जाए। मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराए जाएं। बुजुर्ग किसानों को वृद्धावस्था पेंशन दिलाई जाए। किसानों की खेती की लागत को कम करने के लिए कृषि यंत्र खाद बीज कीटनाशक दवाई और डीजल से जीएसटी समाप्त कराई जाए। देश के सभी हाईवे और सड़कों से टोल टैक्स समाप्त कराए जाएं। गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य 7700 कुंतल दिलाया जाए। चीनी मिलों से गन्ना

किसानों का बकाया भुगतान और ब्याज तत्काल गन्ना किसानों को दिलाया जाए। देश में सभी को शिक्षा और चिकित्सा निशुल्क दिलाई जाए। जिले में आवारा व छुट्टा पशुओं से किसानों की खेती को बचाया जाए। जिले के प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली और आम जनता का शोषण रोका जाए। जिले में हाईवे और रेलवे कॉरिडोर के साथ-साथ किसानों को खेती करने के लिए रास्ते व चक रोड दी जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से मांग करते हुए कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलकर पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर यहां किसानों की समस्याओं के साथ-साथ मजदूर, व्यापारियों, दुकानदारों, छात्रों,

बेरोजगारों, युवाओं की भी समस्याएं हल होगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य 7700 कुंतल नकद मिलेगा और चीनी मिल गन्ना किसानों का शोषण नहीं कर पाएंगे। पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर यहां सभी को शिक्षा और चिकित्सा निशुल्क होगी और प्रति व्यक्ति वार्षिक आय देश में ही नहीं दुनिया में सबसे अधिक होगी। प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय सलाहकार रजत शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश महामंत्री असीम मलिक, प्रदेश सचिव डॉक्टर परविंदर मलिक, मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, जिला मंत्री दीपक चौधरी शामिल रहे।

जन्म जयंती पर तिरंगा यात्रा के साथ याद किए गए पृथ्वीराज चौहान

पाक पर सटीक सैन्य निशानों ने अर्जुन एकलव्य पृथ्वीराज चौहान की याद दिलाई - पद्मश्री स्वामी भारत भूषण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिर्फ चार दिन में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को अपने शौर्य और सटीक निशाने बाजी से तबाह करके विश्व को चौंकाते वाली भारतीय सेना की सफलता का आधार उसका सही गणित ज्ञान और एकाग्र अभ्यास की साधना है, जिसका अनूठा उदाहरण महाराजा पृथ्वीराज चौहान हैं, आज महाराज पृथ्वीराज चौहान की जन्म जयंती पर उन्हें याद करते हुए योगगुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण ने अर्जुन, एकलव्य और पृथ्वीराज चौहान को हद करते हुए मोक्षायतन साधकों और नेशन बिल्डर्स एकेडमी के बच्चों के सामने प्रसंग दोहराया जब मुहम्मद गौरी ने दिल्ली पर सत्रह बार चढ़ाई कर पृथ्वीराज चौहान से हारने के बाद अंतिम बार पृथ्वीराज चौहान को बंदी बनाया और उनकी आंखें फोड़ दी। मुहम्मद गौरी को बताया गया था कि पृथ्वीराज चौहान शब्द भेदी बाण चलाना जानते हैं। इसलि

उसने अपने दरबार में इस कला के प्रदर्शन का आयोजन करवाया। एक बहुत ऊंचे आसन पर गौरी बैठा। काफी दूर पृथ्वीराज चौहान को खड़ा किया गया और धनुष बाण दिए गए। सैनिक के घण्टे की आवाज पर शब्द भेदी बाण मारना था। प्रदर्शन शुरू होते ही कवि चंद्र बरदाई ने चौहान को दोहे में संकेत दिया चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमान । ता ऊपर सुल्तान है, मत चुके चौहान । ! इससे अंधे चौहान को सुल्तान के बैठने की जगह का पता चल गया। जैसे ही सुल्तान ने प्रदर्शन शुरु करने की आज्ञा दी, उसी आवाज पर चौहान ने धनुष से बाण छोड़ा जो सीधे सुल्तान के गले में जा लगा जिससे वह वहीं तत्काल मर गया। इसके पहले कि सैनिक कुछ समझ पाए कि चन्द्र बरदायी और पृथ्वीराज चौहान ने तलवार से एक दूसरे का गला काटकर आत्मोत्सर्ग कर दिया। यह दोहा आज भी हमारे वीरों के शौर्य और सटीक निशाने के उस स्वर्णिम इतिहास की याद दिलाता है।



संबोधन के बाद निकली तिरंगा यात्रा में देश को शान अपनी फौज

अपने जवान नारों ने दिलों को गहराई तक छुआ।

जिलाधिकारी ने की गोआश्रय स्थलों एवं पशुधन के संबंध में समीक्षा बैठक

गोआश्रय स्थलों के लिए चिन्हित भूमि पर लगाए बोर्ड, गाटा संख्या एवं रकबा करें प्रदर्शित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में अस्थायी गोआश्रय स्थलों की स्थापना, भूसा कय, गोआश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, गोआश्रय स्थलों का निरीक्षण, क्रियान्वयन, संचालन एवं प्रबंधन के संबंध में बैठक आहूत की गई। बैठक में डीएम ने सभी एसडीएम एवं बीडीओ को निर्देश दिए कि संयुक्त विजिट कर चारागाह की भूमि को अवैध कब्जायुक्त कराकर बीडीओ अपने संरक्षण में लेकर गोआश्रय स्थलों के निर्माण में तेजी लाएं। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोआश्रय स्थलों हेतु चिन्हित भूमि पर बोर्ड लगाकर उस पर गाटा संख्या एवं रकबा भी अंकित किया जाए। निर्माणाधीन सभी गोआश्रय स्थलों को मई माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी गौशालाओं में गर्मी से बचाव के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। डीएम मनीष बंसल ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को भूसा कय के लिए टैंडर करने हेतु एक



बैठक बुलाने के निर्देश दिए। उन्होंने भूसा दान की अपील करते हुए संबंधित उच्चाधिकारियों से भी कृषक बंधुओं एवं समाज के अन्य संप्रदांत नागरिकों से समन्वय बनाने को कहा। डीएम मनीष बंसल ने निर्देशित किया कि जनपद में नैपियर घास की बुआई को प्रोत्साहित किया जाए और चारागाह की भूमि पर नैपियर घास की बुवाई की जाए। उन्होंने कहा कि संरक्षित पशुओं की चिकित्सा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निराश्रित गौवंश संरक्षण के कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता

न बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण हेतु नामित जनपद स्तरीय अधिकारी प्रत्येक 15 दिन में निरीक्षण करें और कमी मिलने पर तत्काल बीडीओ को अवगत कराएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, उप जिलाधिकारी सदर सुबोध कुमार, उप जिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, पीडीडीआरडीए प्रणय कृष्ण, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 एम0पी0सिंह गौर सहित समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

अनवरत दौड़ रहा विकास का रथ

2 करोड़ 83 लाख रु के विकास कार्य का भूमि पूजन लोकार्पण

उज्जैन शुक्रवार को नागदा-खाचरोद विधानसभा क्षेत्र में नागदा खाचरौद विधानसभा के लोकप्रिय जनसेवक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान द्वारा नागदा-खाचरौद विधानसभा में 2 करोड़ 83 लाख रु. के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करके ग्रामीण परिवारजनों को समर्पित किया। ग्राम कनवास में 81 लाख की लागत से उपस्वास्थ्य केन्द्र एवं बाउंड्रीवाल निर्माण, पेयजल टंकी हेतु खनन नई बोरवेल का भूमिपूजन एवं 15 लाख के निर्माण कार्यों जिसके अंतर्गत सी सी रोड एव नाली निर्माण का भूमिपूजन किया। ग्राम



नन्दवासला में 6 लाख की लागत से सी सी रोड़ के विकास कार्य का भूमिपूजन ग्रामीण जनों एवं पार्टी के परिवारजनों के साथ किया। ग्राम खेड़ावदा मे

50 लाख की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण जिसमे नाली निर्माण, सी सी रोड़, पेयजल टंकी निर्माण ग्रामीणजनों को समर्पित किया साथ ही 15 लाख से नाली निर्माण, सी सी रोड़ के विकास कार्य का भूमिपूजन किया। ग्राम बड़ागांव मे 86 लाख की लागत से उपस्वास्थ्य केंद्र एवं सी सी रोड़, नाली निर्माण के विकास कार्यों का भूमिपूजन ओर लोकार्पण के साथ निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्र की जनता को विकास कार्यों की

सौगात दी। ग्राम कुम्हारवाड़ी में 21 लाख रु के विकास कार्यों का भूमिपूजन ग्राम कुम्हारवाड़ी के परिवार जनों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जनसेवक डॉ. तेजबहादुर सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के प्रति आभार माना। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, लालसिंह जी राणावत, सरपंच जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, मंडल अध्यक्ष जयदीप सिंह सोनगरा, ग्राम सरपंच, जनपद सदस्य, लाल सिंह बंजारी, ग्रामीण किसानभाई, कार्यकर्ता बन्धु, ओर पार्टी के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर की शिष्टाचार भेंट



धार। महाराष्ट्र के पुणे सकंिट हाउस में शुक्रवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री एवं धार लोकसभा सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की केंद्र प्रायोजित

जावरा के सरकारी अस्पताल में मना राष्ट्रीय डेंगू दिवस



जावरा रतलाम नगर के सिविल अस्पताल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रतलाम डॉ संध्या बेलसरे के मार्गदर्शन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ प्रमोद प्रजापति के निर्देशन में आज मीटिंग हॉल में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। बैठक में सुपरवाइजर, सीएचओ,एएनएम, आशा सुपरवाइजर उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में सीबीएमओ डा शंकरलाल खराड़ी ने कहा कि सामुदायिक साझेदारी से डेंगू की बीमारी दूर हो सकती है। लोगों को इसके बारे में जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डेंगू से घबराए नहीं, समय पर सरकारी अस्पतालों में जांच, उपचार करवाये। इसका व्यापक प्रचार प्रसार करे। इस मौके पर मलेरिया इम्पेक्टर

लव जिहाद की घटनाओं से आक्रोशित सर्व हिन्दू समाज ने सौपा ज्ञापन

जावरा रतलाम प्रदेश में लव जिहाद की घटनाएं सामने आने के बाद शुक्रवार को प्रातः 11.45 बजे यहां आक्रोशित सर्व हिन्दू समाज ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम तहसीलदार सन्दीप डवने को एसडीएम कार्यालय पर थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह जादौन की उपस्थिति में ज्ञापन सौंपा। जिसमें मांग की गई है कि बेटियों के विरुद्ध लव जिहाद जैसे षडयंत्र पर तुरन्त सख्त कार्रवाई की जाए। सर्व हिन्दू समाज के लोगों ने हाल ही में प्रदेश के भोपाल, इंदौर, रीवा, सागर, दमोह, मुरैना, राजगढ़ में हुई

घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन मामलों में बालिकाओं, युवतियों व महिलाओं को छलपूर्वक धर्म छिपाकर वर्ग विशेष के लोगों द्वारा न केवल उनका शारीरिक शोषण किया गया, अपितु नारी शक्ति के आत्मसम्मान की भी ठेस पहुंचाई गई। ज्ञापन में आशंका जताई गई है कि यह महज व्यक्तिगत अपराध नहीं होकर राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा प्रायोजित एक संगठित साजिश है,जिसकी जड़ें अंतरराष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क तक फैली हो सकती है। इस विषय में राष्ट्रीय महिला आयोग

और मानवाधिकार आयोग द्वारा गठित जांच समितियाँ मुद्दे की गंभीरता और संवेदनशीलता की पुष्टि करती हैं। सकल हिन्दू समाज स्पष्ट करता है कि यह केवल मांग-पत्र नहीं, बल्कि बेटियों की अस्मिता की रक्षा का संकल्प है। राष्ट्र विरोधी तत्वों को यह चेतावनी दी जाती है कि प्रदेश की मातृशक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। ज्ञापन का वाचन रीना शुभम दसेड़ा ने किया। इस दौरान महेन्द्र गंगवाल, प्रशांत धाकड़,वंदना



चौधरी,पूनम शाह, प्रिया सिसोदिया, धाकड़, मनीष मोर्ये, विक्रम माली, शोखर नाहर, नेपाल सिंह डोडिया, मधुसूदन पादीदार, विजय दगदी, मनीष

कलेक्टर का नवाचार

फाउडेशन फार मदर एण्ड चाइल्ड हेल्थ इण्डिया के सहयोग से आंगनबाडियों मे होगी पोषण देखरेख मिलेगा पोषण परामर्श - कलेक्टर श्री संदीप जी.आर.



सागर कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. के नेतृत्व मे राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत जिले को कुपोषण मुक्त करने के नवाचार के रूप मे स्वयं सेवी संगठन की सहभागिता से आंगनबाडियों मे बच्चों के वजन वृद्धि निगरानी एवं ऊँचाई/लंबाई की मासिक मॉनीटरिंग एवं गृह भेट के माध्यम से बच्चों एवं उनके अभिभावकों को पोषण परामर्श के द्वारा पोषण जागरूकता बढ़ाई जा रही है। कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. के द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान फाउडेशन फार मदर एण्ड

चाइल्ड हेल्थ इण्डिया के द्वारा बाल विकास परियोजना सागर शहरी 01, सागर शहरी 02, सागर ग्रामीण 01, सागर ग्रामीण 02, जैसीनगर, केसली एवं बंडा के 495 केन्द्रों मे पोषण देखरेख एवं पोषण जागरूकता की अद्यतन प्रगति तथा आंगनवाड़ी ऐक्सेलरेटर के आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। बैठक मे मासिक शारीरिक मापन अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा बच्चों की सही ऊँचाई/लंबाई एवं वजन के मापन की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला कार्यक्रम

अधिकारी को निर्देशित किया गया साथ ही उन कार्यकर्ताओं आदतों को पोषण वृद्धि के अनुरूप क्रियावित किये जाने हेतु इनका अध्ययन कर तदनुसार आंगनबाड़ी मे पूरक पोषण आहार के रूप मे प्रचलित बुन्देली पौष्टिक दैनिक खाद्य सामग्री सम्मिलित करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिये गये। बैठक मे जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ब्रजेश त्रिपाठी फाउडेशन फार मदर एण्ड चाइल्ड हेल्थ इण्डिया की टीम सदस्य सुश्री भाग्यदा, जैस्मिना, स्मिता, उपस्थित रहे।

जावेगा।कलेक्टर द्वारा परंपरागत पोषण व्यवहार एवं खानपान की आदतों को पोषण वृद्धि के अनुरूप क्रियावित किये जाने हेतु इनका अध्ययन कर तदनुसार आंगनबाड़ी मे पूरक पोषण आहार के रूप मे प्रचलित बुन्देली पौष्टिक दैनिक खाद्य सामग्री सम्मिलित करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिये गये। बैठक मे जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ब्रजेश त्रिपाठी फाउडेशन फार मदर एण्ड चाइल्ड हेल्थ इण्डिया की टीम सदस्य सुश्री भाग्यदा, जैस्मिना, स्मिता, उपस्थित रहे।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने किया श्री शैलेन्द्र चौधरी का सम्मान

यूपीएससी परीक्षा में 362 रैंक प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया



नरसिंहपुर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाछी डेका व सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार की विशेष मौजूदगी में शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विदित है कि नरसिंहपुर के श्री शैलेन्द्र चौधरी ने यूपीएससी परीक्षा में 362 वीं रैंक प्राप्त की है। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती पटले ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि आज समाज में सुविधाओं में वृद्धि तो हुई है, किंतु अनेक स्तरों पर परिस्थितियां और जटिल हो गई हैं। युवाओं को इन जटिलताओं से पार पाने के लिए प्रयास करने होंगे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि कठोर परिश्रम और मेहनत से हीरा बनता है। उसका परिणाम आज देखने को मिला है। उन्होंने श्री शैलेन्द्र

चौधरी को आगे की यात्रा के लिए शुभकामनायें दीं। कलेक्टर ने कहा कि श्री शैलेन्द्र चौधरी ने जिस परिश्रम से यहां तक का सफर तय किया है, ठीक उसी तरह विद्यार्थी भी कठोर परिश्रम करके अपने आप को इस काबिल बनायें। उन्होंने कहा कि आपको स्वयं निर्णय लेना होगा, कि आप क्या बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा के एक घंटे पहले अध्ययन करोगे तो एक- दो नंबर आयेगा और बाकी के दिमाग से लिखकर कुछ नंबर अर्जित कर पायेंगे। आज वही समय है कि हम अपने जीवन को किस प्रकार से निर्णय ले सकेंगे, जिससे आगे चलकर उससे हमें कितना फायदा होगा। उन्होंने कहा कि अपने सपने को साकार करने के लिए कठोर परिश्रम करना पड़ेगा। पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाछी डेका ने बताया



कि आज इस समारोह के आयोजन का उद्देश्य युवाओं को यह एहसास कराना है कि सभी के भीतर कुछ विशेष गुण विद्यमान होते हैं। केवल इन विशेष गुणों को पहचान कर जीवन में आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम आयोजन करने का उद्देश्य है कि विद्यार्थी इनसे सीखकर हम प्रेरणा ले सकें। उन्होंने कहा कि श्री चौधरी मेहनत और लगन से इस मुकाम तक पहुंचे हैं, तो आप भी लगन और मेहनत से इस मुकाम तक पहुंच सकते हैं। अपने सपने को साकार करने के लिए मेहनत करें। उन्होंने कहा कि आपको भी अपने ऊपर विश्वास होना चाहिये कि हम भी यह कर सकते हैं। सीईओ जिला पंचायत ने भी यूपीएससी से जुड़े अपने अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा किये और मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम में यूपीएससी में चयनित श्री शैलेन्द्र चौधरी ने अपनी इस सफलता की यात्रा में आने वाली बाधाओं और उनसे निपटने की रणनीति पर विस्तार से बताया। साथ ही विद्यार्थियों के यूपीएससी में चयन से संबंधित विभिन्न प्रश्नों एवं समस्याओं का समाधानपूर्वक उत्तर दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा शर्मा, उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती अंजना त्रिपाठी, पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के डॉ. प्रभृति सेन, श्रीमती प्रीति कौरव, महिला महाविद्यालय के श्री एलएन रजक, डॉ. यतीन्द्र महोबे, श्रीमती लला बाई लोधी, डॉ. दीपिका चक्रवर्ती, श्री सत्यव्रत गरनायक, डॉ. मनाक्षी सोभरि, अन्य प्राचार्य और विद्यार्थी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा गुप्ता ने किया।

उदयगढ पुलिस टीम के द्वारा 24 घण्टे के भीतर देहात मे घटित चोरी का पर्दाफाश

आरोपी को गिरफ्तार कर मशरूका बरामद करने मे सफलता प्राप्त

अलीराजपुर – पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास द्वारा बताया गया कि थाना उदयगढ़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम छारवी में दिनांक 13.05.2025 की रात्रि अज्ञात बदमाश के द्वारा बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। घटना पर फरियादी चर्मसिंह पिता जुरसिंह, निवासी ग्राम छारवी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 13 मई 2025 की रात्रि उनके फलिये में वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित होने के कारण उनके दोनों पुत्र विवाह स्थल पर उपस्थित थे तथा वे स्वयं, उसकी पत्नी एवं बहू रात्रि में घर पर थे। रात्रि में भोजन उपरांत समय लगभग 11:00 बजे फरियादी ने घर के दरवाजा का ताला लगाकन बाहर आंगन मे तथा फरियादी की पत्नी एवं बहू ढालिये मे सो गये। प्रातः लगभग 05:30 बजे फरियादी का पुत्र विजय विवाह कार्यक्रम से घर लौटा और उसने देखा कि घर

की पिछली दीवार में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक बड़ा छेद कर दिया गया है। जब फरियादी ने घर का निरीक्षण किया, तो पाया कि घर के भीतर रखा हुआ एक कपड़े का झोला, जिसमें परिवार की महिलाओं के वस्त्रों के अतिरिक्त करीब 2 किलोग्राम वजन के चांदी के आभूषण एवं 30,000/- (तीस हजार रुपये) नगद राशि रखी हुई थी, अज्ञात आरोपी द्वारा चुरा लिया गया है। घटना में कुल चुराया गया माल लगभग 2,50,000/- (दो लाख पचास हजार रुपये) के अनुमानित मूल्य का था। उक्त घटना पर थाना उदयगढ़ में अपराध क्रमांक 148/2025, धारा 331(4), 305 बी.एन.एस. के अंतर्गत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिसम्मत विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को दृष्टिगत

रखते हुए पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जौबट नीरज नामदेव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी उदयगढ़ निरीक्षक ब्रजभूषण हीरवे के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया। टीम को निर्देशित किया गया कि वे हर संभावित दृष्टिकोण से जांच कर आरोपियों की शीघ्र पहचान एवं गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। गठित पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य, मौखिक सूचनाएं एवं गुप्तचर प्रणाली के माध्यम से सतत प्रयास किए गए। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अखोली फाटक पर दो संदिग्ध व्यक्ति चोरी के माल को विक्रय हेतु प्रयासरत हैं। सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम तत्काल ग्राम अखोली फाटक पहुंची, जहां दो संदिग्ध

व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस द्वारा तत्परता पूर्वक कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी से नाम-पता पृष्ठताछ करने पर उसने अपना नाम हिन्दू पिता टीडिया वसुनिया, उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम पनेरी, पटेल फलिया बताया। पृष्ठताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी मेहताव के साथ मिलकर ग्राम छारवी में उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया है। आरोपियों द्वारा चुराया गया माल विक्रय के प्रयास में थे, कि पुलिस ने उन्हें धरदबोचा। गिरफ्तार आरोपी से चांदी के आभूषण करीब 2 लाख 5 हजार रुपये मूल्य के बरामद किए गए। इस प्रकार, पुलिस द्वारा घटना के 24 घंटे के भीतर ही चोरी का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार

किया गया तथा चोरी का माल बरामद करने में सफलता प्राप्त की गई है। प्रारंभिक विवेचना में यह भी ज्ञात हुआ कि हिन्दू पिता टीडिया वसुनिया के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी से संबंधित अपराध थाना थानेला जिला ज्ञाबुआ, थाना जौबट, आंबुआ के अतिरिक्त थाना उदयगढ़ में 03 अपराध पंजीबद्ध हैं आरोपी एक शातिर व आदतन अपराधी है, जो विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को अंजाम देता रहा है। उक्त सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी उदयगढ़ निरीक्षक श्री ब्रजभूषण हीरवे, उप निरीक्षक श्री शंकर रावत, सडन श्री अजय भिंडे, प्रधान आरक्षक अमरसिंह, प्रधान आरक्षक गरवर, प्रभार आजाद, आरक्षक तूफान, आर प्रिन्स एवं आरक्षक सुरेश की उल्लेखनीय भूमिका रही।

इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग में 10,000 फीट से लगाई छलांग फिर हुआ साबित, टॉम वरूज अभी भी है एक्शन के बादशाह

मुम्बई- जब बात एक्शन की हो तो फिर टॉम वरूज के अलावा किसी का नाम आ ही नहीं सकता. दशकों से, वरूज ने एक्शन को बार-बार परिभाषित किया है, जिसमें निडरता को प्रामाणिकता के लिए बेजोड़ प्रतिबद्धता के साथ जोड़ा गया है। मिशन- इम्पॉसिबल फ्रैंचाइज़ लंबे समय से हाई-ऑक्टेन थ्रिल का मानक रही है, और वरूज का एथन हंट असली एड्रेनालाईन से भरा एक आइकन बना हुआ है. रॉंग नेशन में एक कार्गो प्लेन के किनारे से चिपके रहने से लेकर फ़ॉलआउट में 25,000-फ़ीट की हालो जंप और बीच-बीच में चोट लगने तक, हर बार उन्होंने एक्शन के स्टैण्डर्ड को ऊपर उठाया है. अब, जैसा कि यह एपिक निष्कर्ष के करीब है, वरूज एक अंतिम बार उड़ान भर रहे हैं. सर्वाइवल इज इन द डिटेल्स के साथ साझा किए गए, परदे के पीछे के वीडियो में, वरूज ने अपने अब तक के सबसे साहसी स्टंट का खुलासा किया है. मिशन- इम्पॉसिबल – द फाइनल

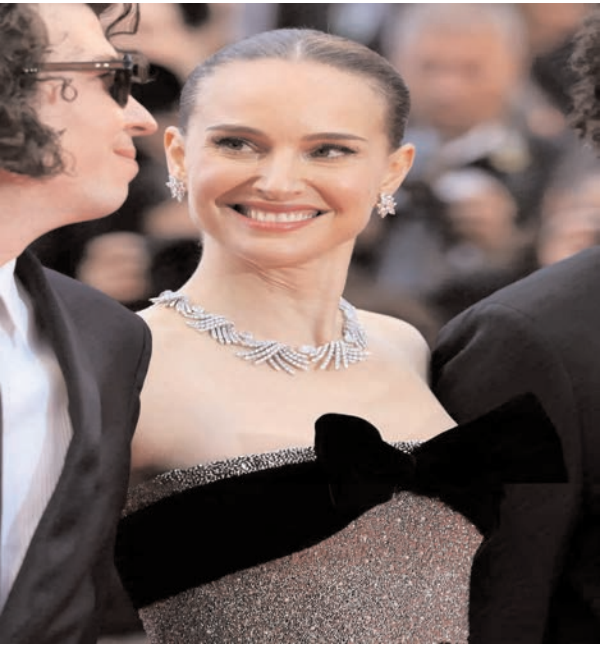


रेकनिंग के लिए उन्होंने 10,000-फुट स्काईडाइव की है. कोई डबल नहीं. कोई शॉर्टकट नहीं. सिर्फ गहन प्रशिक्षण, सटीक योजना, और सबसे खराब स्थिति का अनुकरण करने वाली कैलकुलेशन के साथ उन्होंने ये जोखिम लिया. वरूज कहते हैं, हम 10,000 फुट तक जाएंगे, लेकिन अगर हम 12,000 तक पहुँच सकते हैं, तो हम 20 नॉट आगे बढ़ेंगे. उन्होंने आगे कहा, मैं अगली छलांग को तेज करना चाहता हूँ...इसके लिए तैयारी करना चाहता हूँ. तेज़, तेज़, और तेज़ जाना चाहता हूँ.

और खुद को सबसे खराब स्थिति में रखना चाहता हूँ. फिर देखें कि मैं कितनी तेज़ी से उबर सकता हूँ. उन्होंने आगे कहा, हम उसी एक्जिट पर जा रहे हैं. मैं एक तेज स्पिन में रहूँगा. जब निर्देशक ने पूछा, हम स्क्रीन पर क्या देखना चाहते हैं? वरूज ने जवाब दिया, मैं खुद को गिरते हुए देखना चाहता हूँ. पैरामाउंट पिक्चर्स की फिल्म मिशन- इम्पॉसिबल – द फाइनल रेकनिंग 17 मई, 2025 को भारतीय सिनेमाघरों में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज़ हो रही है।

‘थॉर’ और ‘स्पाइडरमैन’ की गर्लफ्रेंड का कान में जलवा, इन हॉलीवुड एक्ट्रेस ने भी की शिरकत

78वां कान फिल्म फेस्टिवल शुरू हो चुका है। महोत्सव के चौथे दिन हॉलीवुड की कई दिग्गज हसीनाओं ने रेड कार्पेट पर अपने जलवे बिखेरे। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी के साथ वायरल हो रही हैं। आइए जानते हैं किन हॉलीवुड अभिनेत्रियों ने चौथे दिन कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया। हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने 14 साल बाद कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। इस दौरान अभिनेत्री ने रेड कार्पेट पर वॉक किया। ‘एडिंट’ के प्रीमियर में एंजेलिना ने अपने लुक से सभी को चौंका दिया। अभिनेत्री ने खुद को ऑल-व्हाइट सिल्वर स्ट्रैपलेस गाउन में स्टाइल किया। उन्होंने अपने चमकीले सुनहरे बालों को साइड-पार्ट में खुला छोड़ा और साधारण हॉरे के आभूषणों से सजाया। थॉर की गर्लफ्रेंड ‘जेन फोस्टर’ की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री



नताली पोर्टमैन ने भी कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया। नताली पोर्टमैन ने मारिया ग्राजिया चिउरी द्वारा बनाए गए कस्टम क्रिएशन में

रेड कार्पेट की शोभा बढ़ाई। ‘टिवलाइट’ अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट ने रेड कार्पेट पर एक आकर्षक पिंक ट्वीड चैनल ड्रेस में

कान में परेंट्स को याद कर भावुक हुई जैकलीन, सुकेश मामले पर भी दिया बड़ा बयान

जैकलीन फर्नांडीज इन दिनों 78वें कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने पहुंची हैं। रेड कार्पेट पर उन्होंने अपना जलवा बिखेरा है। इस दौरान जैकलीन ने अपने परिवार और अपनी दिवंगत मां को लेकर भी बात की। जैकलीन ने बताया कि मां के जाने के बाद वो पूरी तरह से टूट गई थीं। साथ ही जैकलीन ने उठा सुकेश को लेकर उनकी जिंदगी में होने वाली उथल-पुथल पर भी बात की।

मम्मी-पापा के साथ बिताए पलों को किया याद द हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ बातचीत के दौरान जैकलीन ने अपने माता-पिता के साथ बिताए पलों और उनकी यादों को लेकर बात की। जैकलीन ने उस समय को साझा किया जब उनका पूरा परिवार इटली गया था, जहां वह अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म ‘किल एम ऑल 2’ की शूटिंग कर रही थीं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे यकीन ही नहीं हुआ। मैं जीन-क्लाउड वैन डैम के साथ शूटिंग कर रही थी। वह मेरे आइडियल। मुझे लगता है कि मेरा पूरा परिवार उनका बहुत बड़ा फैन था। हमारे पास एक



लेजर डिस्क थी। पापा इस बात पर अड़े थे कि अगर हमें जीन क्लाउड को देखना है, तो हमें उन्हें लेजर डिस्क पर देखना होगा। मेरे माता-पिता आए और उन्होंने कहा कि हम की। जैकलीन ने उस समय को साझा किया जब उनका पूरा परिवार इटली गया था, जहां वह अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म ‘किल एम ऑल 2’ की शूटिंग कर रही थीं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे यकीन ही नहीं हुआ। मैं जीन-क्लाउड वैन डैम के साथ शूटिंग कर रही थी। वह मेरे आइडियल। मुझे लगता है कि मेरा पूरा परिवार उनका बहुत बड़ा फैन था। हमारे पास एक

गई थीं। लेकिन उन्हें अपने माता-पिता और परिवार से जो हिम्मत मिली, वह हमेशा उनके काम आई। मां को याद करते हुए जैकलीन ने कहा, मैं खुशकिस्मत हूँ कि उनके जाने से पहले मैं कुछ वक्त उनके साथ बिता पाई। मुझे हमेशा लगता है कि काश मैं और ज्यादा उनके साथ होती और कुछ कर पाती। शायद मैं अब भी नहीं मान पाई हूँ कि वो नहीं हैं। वो मेरी सबसे बड़ी चीयरलीडर थीं।

सुकेश के कारण पब्लिक स्क्रूटनी से गुजरीं जैकलीन बातचीत के दौरान जैकलीन ने उठा सुकेश चंद्रशेखर के साथ अपने कथित रिलेशनशिप और

जीवन में आई उथल-पुथल को लेकर भी बात की। हालांकि, इस बारे में उन्होंने खुलकर तो कुछ भी नहीं कहा। अभिनेत्री ने कहा कि इस सबके चलते उन्हें पब्लिक स्क्रूटनी का भी सामना करना पड़ा। ऐसे मुश्किल वक्त में अपने परेंट्स से मिले सपोर्ट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हम इंडस्ट्री में एक्टर के रूप में जिस दौर से गुजरते हैं, हमारे माता-पिता भी उससे गुजरते हैं। क्योंकि एक एक्टर होने के नाते आपसे जुड़ी सारी चीजें पब्लिक में हैं। माता-पिता के लिए हर चीज में आपका साथ देना बहुत मुश्किल होता है। मेरी मां को हमेशा मुझ पर गर्व था और वह हमेशा चाहती थीं कि मैं कोशिश करती रहूँ और सपने देखती रहूँ।

तस्वीरें सामने आने के बाद जुड़ा था नाम जैकलीन का नाम तब विवादों में आया जब उनकी कुछ रोमांटिक तस्वीरें उठा सुकेश चंद्रशेखर के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। सुकेश इस वक्त 200 करोड़ के मनी लाँड्रिंग केस में जेल में बंद है।

‘कैंपस डायरीज’ से लेकर ‘मिसमैचड’ तक कॉलेज लाइफ दिखातीं ये वेब सीरीज, क्या आपने देखी हैं?

कॉलेज के दिनों की याद हमारे मन में हमेशा के लिए बसी रहती है, यहां बने दोस्त भी कई बार जिंदगी भर साथ रहते हैं। कॉलेज लाइफ की इन्हीं बातों को कई वेब सीरीज में भी दिखाया गया है। जानिए, ऐसी कुछ सीरीज के बारे में जिनमें कॉलेज की जिंदगी, हॉस्टल में गुजारे गए दिन और खूब सारी मस्ती शामिल है। साल 2019 में रिलीज हुई एक वेब सीरीज ‘हॉस्टल डेज’ में चार दोस्तों की कहानी थी जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं और हॉस्टल में रहते हैं। कॉलेज की जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने के अलावा ये लोग खूब एंजॉय भी करते हैं। इस सीरीज में निखिल विजय, शुभम गौर, अहसास चन्ना जैसे एक्टर्स नजर आए।

कैंपस डायरीज कैंपस डायरीज (2022) में भी छह दोस्तों की जिंदगी में आने वाले उतार-चढ़ावों की कहानी दिखी। कॉलेज की जिंदगी उन्हें कैसे जिंदगी के सबक देती है, यही इस सीरीज की कहानी है। इस सीरीज में हर्ष बेनिवाल, सृष्टि रिंदानी जैसे एक्टर्स नजर आए।



कॉलेज रोमांस ‘कॉलेज रोमांस’ का पहला सीजन 2018 में आया था। इस सीरीज में भी तीन दोस्त कॉलेज में प्यार, दोस्ती के खूबसूरत पलों को जीते हैं। सीरीज में गगन अरोड़ा, अपूर्वा अरोड़ा जैसे एक्टर्स नजर आए। सीरीज के कई और सीजन भी आए, जिन्हें ऑडियंस ने पसंद किया।

मिसमैचड सीरीज ‘मिसमैचड’ के भी तीन सीजन आ चुके हैं। पहला सीजन 2020 में रिलीज हुआ। इस सीरीज की कहानी प्राजक्ता कोहली के कैरेक्टर के ईद-गिर्द घूमती है। कॉलेज लाइफ, प्यार कैसे उसकी जिंदगी में बदलाव लाता है, यही सीरीज की स्टोरी लाइन है। इस सीरीज में कई और एक्टर्स भी

दिखे, जिसमें रोहित सराफ, मुस्कान जाफरी शामिल हैं।

गर्ल्स हॉस्टल इस सीरीज की कहानी में कुछ लड़कियां हैं, जो पढ़ाई के लिए घर से बाहर आई और गर्ल्स हॉस्टल में रहती हैं। इस गर्ल्स हॉस्टल में दोस्ती, दुश्मनी, प्यार और मुश्किलें सबकुछ इनकी जिंदगी का हिस्सा बनती हैं। इस सीरीज में पारुल गुलाटी, अहसास चन्ना, सिमरन नाटेकर, श्रेया मेहता जैसी एक्ट्रेससे नजर आईं। इसके अलावा ‘कॉलेज कैटीन’ और ‘फ्लेम’ जैसी सीरीज को भी यंग ऑडियंस ने देखा और पसंद किया। इनमें भी कॉलेज लाइफ, यंगस्टर की लव लाइफ के ईद-गिर्द कहानियां दिखाई गईं।

स्पोर्ट्स

आईपीएल 2025 प्लेऑफ की रेस में आरसीबी को चाहिए जीत, हारते ही बाहर हो जाएगी केकेआर

बेंगलुरु, । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में प्लेऑफ की दौड़ अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। आज शाम एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा, जहां एक तरफ आरसीबी की जीत उसे प्लेऑफ में पहुंचा देगी, वहीं हार केकेआर के लिए टूर्नामेंट का अंत बन सकती है।

जीत से पक्का होगा टॉप-4, टॉप-2 की उम्मीद भी बरकरार आरसीबी इस मुकाबले में जीत दर्ज करते ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर लेगी और टॉप-2 में पहुंचने की उम्मीदें भी जिंदा रखेगी। टीम फिलहाल शानदार लय में है और लगातार चार मुकाबले जीत चुकी है, जिनमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो रन से मिली रोमांचक जीत भी



शामिल है। उस जीत ने आरसीबी को खिताबी दावेदार की तरह पेश किया है।

कसान पटीदार फिट, शेफर्ड भी पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि लगभग सभी विदेशी खिलाड़ी उपलब्ध हैं, सिवाय चोटिल जोश हेजलवुड

के। कसान रजत पटीदार की चोट में भी सुधार हुआ है और वह इस मुकाबले के लिए फिट माने जा रहे हैं। वहीं, वेस्टइंडीज की वनडे टीम में चुने जाने के बावजूद ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड 3 जून तक पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगे। सीएसके के खिलाफ जीत में उन्होंने अहम

भूमिका निभाई थी।

केकेआर के लिए करो या मरो की स्थिति दूसरी ओर, गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए हालात काफी मुश्किल हैं। उसे न सिर्फ अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने हैं, बल्कि अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। टीम के विदेशी खिलाड़ी (रोबमैन पॉवेल और मोईन अली को छोड़कर) अब स्कॉट से जुड़ चुके हैं, लेकिन अब भी टीम को हर विभाग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की दरकार है।

अब खोने के लिए कुछ नहीं है – मनीष पांडे मैच की पूर्व संध्या पर केकेआर के अनुभवी बल्लेबाज मनीष पांडे ने कहा, अब हमारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है। हम बीच में कुछ मैच हार गए, जिससे नुकसान हुआ, लेकिन बचे हुए दो मुकाबलों में सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं।

जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन फाइनल में बनाई जगह, कार्लोस अल्कराज से होगा सामना

रोम। तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी कर रहे जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन के फाइनल में धमाकेदार एंट्री कर ली है। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने अमेरिकी के टॉमी पॉल की 1-6, 6-0, 6-3 से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटायी। अब फाइनल में उनका सामना स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज से होगा, जिन्होंने लॉरेन्जो मुसेटी को 6-3, 7-6(4) से हराकर पहली बार रोम फाइनल में जगह बनाई।

1976 के बाद पहली बार इतालवी खिलाड़ी के पास खिताब जीतने का मौका सिनर अब इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। यदि वे जीतते हैं, तो 1976 में एड्रियानो पानाटा के बाद रोम मास्टर्स खिताब जीतने वाले पहले इतालवी पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। इससे पहले, सिनर ने क्वार्टरफाइनल में केस्पेर रूड को करारी शिकस्त दी थी। हालांकि सेमीफाइनल के पहले सेट में वह अस्थिर नजर आए, लेकिन इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

फिटनेस को लेकर चिंता, लेकिन जोश में कमी नहीं मैच के अंत में सिनर अपनी जांच पकड़ते और दर्द में नजर आए। उन्होंने बाद में खुलासा किया कि तीसरे राउंड से उनके पैरों में ब्लिस्टर (छाले) हो गए हैं, जिससे मूवमेंट में परेशानी हो रही है। हालांकि उन्होंने कहा, कोई बहाना नहीं है। फाइनल में एड्रेनालिन के साथ काफी एनर्जी होगी। मैं पूरी तरह तैयार हूँ।

अल्कराज का पलड़ा भारी, लेकिन सिनर की जीत का



सिलसिला भी लाजवाब सिनर और अल्कराज के बीच यह मुकाबला बीजिंग ओपन फाइनल (अक्टूबर 2024) के बाद पहली भिड़ंत होगी, जहां अल्कराज ने तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जीत दर्ज की थी। दोनों के बीच अब तक 10 मुकाबले हुए हैं, जिनमें अल्कराज 6-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले तीन मैच लगातार जीते हैं। हालांकि, खास बात यह है कि बीजिंग में हारने के बाद से सिनर एक भी मैच नहीं हारे हैं और वे 26 मैचों की विजयी लय में हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट है।

अल्कराज भी जबरदस्त फॉर्म में, लगातार तीसरे क्ले-कोर्ट फाइनल में पहुंचे यह सीजन लेकिन सिनर की जीत का

रहा है। उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स जीता, बार्सिलोना ओपन में रन-अप रहे, और अब रोम फाइनल में हैं। हालांकि मड्रिड ओपन से उन्होंने चोट के कारण नाम वापस ले लिया था। फिलहाल वे दाहिने पैर पर एक लंबा ब्लैक ब्रेस पहनकर खेल रहे हैं, लेकिन खेल पर उसका खास असर नहीं दिख रहा।

महिला वर्ग में गॉफ और पाओलिनी के बीच टक्कर शनिवार को महिला फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ और इटली की जैस्मिन पाओलिनी आमने-सामने होंगी। वहीं, डबल्स में पाओलिनी और सारा एर्रांनी की जोड़ी भी फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने रूस की मिरा अंदेएवा और डायना श्नाइडर को 6-4, 6-4 से हराया।

दोहा डायमंड लीग: पारुल ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई

नई दिल्ली, । भारतीय एथलीट पारुल चौधरी ने दोहा डायमंड लीग 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में छठा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि आगामी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

खुद का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा शुक्रवार को सुहेम बिन हमद स्टेडियम में हुई इस प्रतियोगिता में पारुल ने 9:13.39 का समय निकाला। यह उनके ही 2023 विश्व चैंपियनशिप (बुडापेस्ट) में बनाए गए पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड



9:15.31 से बेहतर रहा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए किया क्वालिफाई पारुल चौधरी ने

9:18.00 की क्वालिफिकेशन समय सीमा के भीतर दौड़ पूरी करके इस साल होने वाली वर्ल्ड

एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है। केन्या की चैरेटिच रहीं पहले स्थान पर प्रतियोगिता में केन्या की फेथ चैरेटिच ने 9:05.08 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं कतर की विक्फेड यावी ने 9:05.26 के समय के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इथियोपिया की सेम्बो अल्मायेब ने 9:09.27 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए पोंडियम पुरा किया।

पारुल का यह प्रदर्शन पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

मणिपुर में हथियार और विस्फोटक का जखीरा बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे अभियान के दौरान राज्य के अलग-अलग स्थानों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं। सुरक्षा बलों का अभियान अभी जारी है। मणिपुर पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल ईस्ट जिले के इरिलबुंग थाना क्षेत्र के गुंगजेंगबी यूरुप हिल

में तलाशी अभियान के दौरान एक सफेद बोरे से .303 राइफल (मैगजीन सहित), 9 एमएम पिस्तौल (3 मैगजीन), देसी पिस्तौल, 9 एमएम के छह जिंदा राउंड, .303 एलएमजी के तीन मैगजीन, सात कार्बाइन मैगजीन, 7.62 एमएम के छह जिंदा राउंड, एके 47 (5.56 एमएम) के 19 जिंदा राउंड, वुड पीयर्सिंग शेल,



7.62 मिमी के 410 खाली खोखे, छह ट्यूब लॉन्चिंग (मिनी फ्लेयर), पांच नॉर्मल टीयर स्मोक शेल, दो टीयर चिली स्मोक शेल, दो वायरलेस सेट बैटरी (मोटोरोला) बरामद किए। काकचिंग जिले के भैंस फार्म के पास खारंगपत इलाके में हुए अभियान में कार्बाइन (खाली मैगजीन), चार बोल्ट एक्शन

सिंगल बैरल राइफल, एक रिवाल्वर, तीन हैंड ग्रेनेड (नं. 36), एक मोर्टार शेल (51 एमएम) के राइफल के 20 खाली खोखे, .303 राइफल के 13 खोखे, एसएलआर के 10 खोखे, चार ट्यूब लॉन्चिंग, एक स्मोक ग्रेनेड, तीन टीयर स्मोक शेल (सॉफ्ट नोज), एक बाओफेंग सेट, दो कैम्पलाज हेलमेट, दो बीपी कवर, एक मैगजीन पाउच,

दो जोड़ी टैक्टिकल बूट और तीन बैग जब्त किए गए। सेनापति जिले के कैलेंजंग गांव में सर्च अभियान के दौरान दो बोल्ट एक्शन सिंगल बैरल राइफल, एक .22 बोल्ट एक्शन राइफल, एक पिस्तौल (9 एमएम) मैगजीन सहित, दो जिंदा राउंड (9 एमएम) और 10 जिंदा राउंड (7.62 एमएम) बरामद हुए।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को झटका

वेनेजुएला के लोगों को अमेरिका से निकालने पर रोक लगाई

वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को करारा झटका लगा है। अदालत ने वेनेजुएला के लोगों को देश से निकालने पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा है कि लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया अपनाने का पूरा मौका देना चाहिए। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अदालत के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है।

टेक्सास के एक हिरासत केन्द्र में वेनेजुएला के लोग बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के लोगों को सन 1798 में बने एलियन एनिमीज एक्ट के तहत देश से बाहर भेजना चाहता है। मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन



(एसीएलयू) के जरिए मामला अदालत पहुंचा। अदालत ने सुनवाई के बाद शुक्रवार को कहा कि 24 घंटे में बिना सुनवाई अप्रवासी लोगों को अमेरिका से बाहर भेजना सही नहीं है। एसीएलयू के प्रवक्ता के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को निचली अदालत सर्किट कोर्ट को

रहा। गौरतलब है कि इससे पहले यह मामला अमेरिका का निचली अदालत में पहुंचा था। लेकिन अदालत ने इसे सुनने से इंकार कर दिया था। उसके बाद एसीएलयू संगठन ने सुप्रीम कोर्ट ने दस्तक दी थी। क्या है एलियन एनिमीज एक्ट एलियन एनिमीज एक्ट एक युद्ध कालीन कानून है। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को शत्रु देशों के नागरिकों को हिरासत में लेने या फिर देश से बाहर निकालने का अधिकार है। यह कानून 1798 में बनाया गया था। इस कानून को आखिरीबार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लागू किया था। इसके बाद अब ट्रम्प ने इस कानून का प्रयोग वेनेजुएला के लोगों के ऊपर कर रहे हैं।

भेज दिया है, जिससे इस मुद्दे वर विस्तार से सुनवाई हो सके। उधर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट हमे अपराधियों को देश से बाहर निकालने की इजाजत नहीं दे दे

पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के डाक्टर की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में अब अहमदिया समुदाय पर भी हिंसा होना शुरू हो गई है। बीती रात अहमदिया समाज के वरिष्ठ डाक्टर शेख महमूद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक हमलावर उनके क्लीनिक में घुसा और गोलियों की बौछार कर दी। हमलाकर मौके से फरार होने में सफल रहा। पिछले दो महीने में अहमदिया समुदाय के तीसरे व्यक्ति की हत्या है। जमात ए अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) के मुताबिक घटना पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के सरगोधा में शुक्रवार देर शाम की है। डा. शेख महमूद अपने क्लीनिक पर थे। तभी उन पर हमला कर दिया गया। डाक्टर की हत्या करने में तहरीक ए पाकिस्तान का हाथ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। उनकी हत्या को लेकर मानवाधिकार समूहों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। डा. शेख महमूद मानवतावादी थे, इसलिए उन्हें समय-समय पर चरमपंथियों से धमकियां मिलती रहती थीं। वह पहले सरकारी नौकरी में थे। लेकिन चरमपंथी गुट तहरीक ए पाकिस्तान के दबाव में उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी थी। इस घटना के बाद अहमदिया समुदाय में भय का माहौल है। उन्होंने सुरक्षा की मांग की है।

झांसी की बेटी आर्शी ने टेक्सास में बढ़ाया भारत का मान

झांसी। बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। अभी हाल ही में कर्नल सोफिया कुर्शौ व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने अपने शौर्य से दुनिया को परिचित कराया है, वहीं झांसी की बेटी ने भी सुजनात्मकता के क्षेत्र में विदेश में परचम लहराया है। टेक्सास में 14 से 17 मई तक आयोजित ग्लास आर्ट्स सोसाइटी (गैस) में भारत की एक मात्र प्रतियोगी के रूप में वीरांगना भूमि झांसी की बेटी आर्शी लगरखा शिरकत कर रही हैं। 11 अप्रैल 2025 को इटली में आर्शी लगरखा द्वारा बनाई गई भारत की पहली आर्ट ग्लास डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग की गई



थी और इसे गैस फेस्टिवल टेक्सास के लिए चुना गया था। उन्होंने न केवल झांसी बुन्देलखण्ड बल्कि भारत की भी गौरान्वित किया है। यह आर्ट ग्लास डॉक्यूमेंट्री आर्शी लगरखा द्वारा ग्रामीण आधुनिक ग्लास स्टूडियो के दुनिया भर के मास्टर ग्लेज़ियर्स के साथ सहयोग की खोज करते हुए बनाई गई थी। स्टूडियो भारत के पहले आर्ट ग्लास स्टूडियो में से एक है, जो गैस आर्ट, टेबलवेयर लाइटिंग, फर्नीचर और सहायक उपकरण बनाने के लिए ग्लास ब्लोइंग और अन्य ग्लास उत्पादन तकनीकों की खोज करता है। फिल्म ने

स्टूडियो के काम को उजागर किया, जिसमें ग्रांट गार्मेजी, एरिन गार्मेजी, इवान शॉस और गेज स्टीफेंस जैसे कलाकार शामिल हैं। स्क्रीनिंग के बाद मेहमानों ने ग्लास और लाइटिंग गैलरी के निर्देशित दौर पर जाने से पहले कुछ चुनिंदा कलाकारों के साथ बातचीत की। मुंबई में स्थित यह आर्ट ग्लास स्टूडियो, इस क्षेत्र में कार्यरत भारत में एक मात्र स्टूडियो है जिसे रूलर माडर्न ग्लास स्टूडियो के नामसे जाना जाता है। यह स्टूडियो मिस्टर अर्जुन राठी जो वर्तमान में आर्शी के हमसफर भी हैं, उनकी सकारात्मक और रचनात्मक सोच का नतीजा है।

आर्शी की इस सफलता में उनका बड़ा योगदान है। झांसी में रहने वाली बुन्देलखण्ड विश्विद्यालय में तैनात उनकी मां डॉ. रेखा लगरखा ने शनिवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि उनकी बेटी ने फैशन स्टाइलिंग में इटली से अपनी पढ़ाई पूरी की, जबकि दामाद ने जर्मनी से आर्किटेक्चर की पढ़ाई करके इस काम की शुरुआत की थी। आज वह गर्व महसूस कर रही हैं कि उनकी बेटी उनके नाम से नहीं, बल्कि वह अपनी बेटी के नाम से दुनियांभर में जानी जा रही हैं। माता पिता के लिए इससे बड़ा सुखद अनुभव और क्या हो सकता है।

व्यापार

टमाटर-गाजर से लेकर अंडा तक महंगा, अमेरिकी थाली में अब भुट्टा ही सहारा

नई दिल्ली। अमेरिका एक बड़ा कृषि उत्पादक देश है। वहां खाने-पीने की चीजें खूब उगायी जाती हैं। लेकिन यह सभी अमेरिकी के लिए पर्याप्त नहीं पड़ता है। तभी तो उन्हें टमाटर, गाजर, एवोकाडो और अंडा जैसी रोज खाने वाली चीजें भी आयात करनी पड़ती है। इस समय टैरिफ की वजह से ये चीजें महंगी हो गई हैं। अब यही चीजें खरीदने के लिए अमेरिकियों को अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। इस चक्कर में बहुतों का बजट बिगड़ गया है। ऐसे में विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इन इंपोर्टेड वस्तुओं को खाना छोड़िए और देशी भुट्टे (मक्के) को खा कर गुजारा करिए।

फल-सब्जियों के खूब दाम बढ़े

अमेरिकी राष्ट्रपति ने जब से नई टैरिफ पॉलसी की घोषणा की है, तब से वहां खाने की चीजों के दाम 8-12ब तक चढ़ गए हैं। खासकर फल और सब्जियों के दाम बेतहाशा बढ़ रहे हैं। हालांकि, टैरिफ को अमेरिकी नौकरियों और किसानों को बचाने का तरीका बताया जा रहा है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट में असलियत कुछ और ही बतायी जा रही है। दरअसल, अमेरिका अपनी जरूरत का लगभग आधा खाने-पीने का सामान बाहर से मंवाता है। इसलिए दाम बढ़ने का बड़ा कारण दूसरे देशों पर निर्भरता है।

दुनिया के बड़े खाद्य आयातक

वैश्विक समुदाय में ऐसा जुमला चलता है कि अमेरिका का खाना विदेश से आता है। यूं तो अमेरिका एक बड़ा कृषि उत्पादक देश है, फिर भी वह दुनिया के सबसे बड़े खाद्य आयातक देशों में से एक है। यूएसडीए के अनुसार, साल 2022 में अमेरिका ने 194 अरब डॉलर के एग्री प्रॉडक्ट्स खरीदे थे। इनमें से 50ब से ज्यादा फल, सब्जियां और नट्स थे, जो अमेरिकी हर रोज खाते हैं।

अमेरिका कहां से आयात करता है

फल और सब्जियां अमेरिका टमाटर, एवोकाडो, मिर्च, स्ट्रॉबेरी - मेक्सिको से मंगता हैं। हर साल वहां 4.6 अरब डॉलर का तो एवोकाडो और टमाटर ही आता है। साथ ही 870 मिलियन डॉलर का स्ट्रॉबेरी मंगाया जाता है। केले ग्वाटेमाला से आते हैं जबकि ब्लूबेरी और अंगूर चिली से आते हैं। मांस और समुद्री भोजन अमेरिका में अधिकतर बोफ कनाडा और न्यूजीलैंड से आता है जबकि लैम्ब ऑस्ट्रेलिया से आता है। अमेरिका को भारत सबसे ज्यादा झींगा (हर साल 1.9 अरब डॉलर का) भेजता है जबकि लॉबस्टर और केकड़ा कनाडा से आता है। जरूरी खाद्य पदार्थ कैनेला ऑयल कनाडा से आता है (हर साल 1.4 अरब डॉलर का)। कॉफी- कोलंबिया

से (हर साल 1 अरब डॉलर का) आती है। काजू के लिए अमेरिकी वियतनाम पर निर्भर हैं। अमेरिका में रिफाईंड चीनी मेक्सिको से आती है तो अधिकतर चावल थाईलैंड से जाता है।

अभी खाने की महंगाई इतनी ज्यादा क्यों?

यह आप जान ही चुके हैं कि अमेरिकी अपनी जरूरत का सारा खाद्य पदार्थ खुद नहीं उगाते हैं। कुछ चीजें वो बाहर से मंगवाते हैं, क्योंकि वहां हर मौसम में सब कुछ नहीं उग सकता। इसलिए वो कई देशों से अलग-अलग चीजें मंगवाते हैं। बीते मार्च और अप्रैल में लगाए गए टैरिफ की वजह से इन चीजों के दाम बहुत बढ़ गए हैं। यूएसडीए और स्क्रीप्स न्यूज के अनुसार, इनके दाम डबल डिजिट में बढ़ गए हैं। जब तक ये टैरिफ लगे रहेंगे, तब तक अमेरिकियों को ज्यादा पैसे देने होंगे। खासकर ताजी चीजों के लिए।

इन वस्तुओं को ना खरीदें

इन दिनों विशेषज्ञ अमेरिकी को स्मार्ट शॉपिंग की टिप्स दे रहे हैं। उन्हें कहा जा रहा है कि हो सके तो टमाटर नहीं खरीदें। क्योंकि ये ज्यादातर बाहर से आते हैं, इन पर टैरिफ लगा है और फसल भी खराब हो गई है। उन्हें स्ट्रॉबेरी भी नहीं खाने की सलाह दी जा रही है, क्योंकि ये उंड से जल्दी

खराब हो जाती है और इन्हें लाना भी महंगा है। उन्हें लेट्यूस और पत्तेदार सब्जियां भी नहीं खाने को कहा जा रहा है क्योंकि ये जल्दी खराब हो जाती हैं और इनकी कमी भी हो जाती है।

ये चीजें खरीदना बेहतर है

इस समय अमेरिकी को खरबूजा, हनीड्र्यू, तोरी, क्रैश, आलू-प्याज आदि खरीदने को कहा जा रहा है। क्योंकि ये पदार्थ अमेरिका के कई राज्यों में उगते हैं और इनकी फसल अच्छी होती है। आलू, प्याज को स्टोर करना आसान हैं और इनके दाम भी स्थिर रहते हैं।

मक्का बचा रहा है जान?

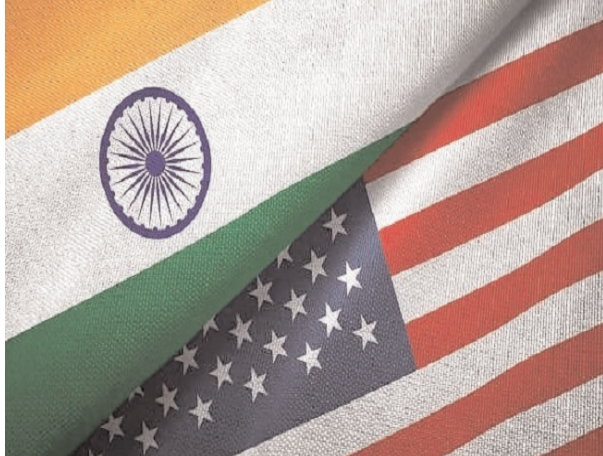
ऐसी रिपोर्ट है कि इस समय अमेरिकी की जान मक्का बचा रहा है। अमेरिका में मक्का 90 मिलियन एकड़ से ज्यादा जमीन पर उगाया जाता है। इसलिए यह आसानी से कम कीमत पर सब जगह उपलब्ध है। मक्के का उपयोग जानवरों के चारे, अमेरिका में मक्का 90 मिलियन एकड़ से ज्यादा जमीन पर उगाया जाता है। इसलिए यह आसानी से कम कीमत पर सब जगह उपलब्ध है। मक्के का उपयोग जानवरों के चारे, अमेरिका में मक्का 90 मिलियन एकड़ से ज्यादा जमीन पर उगाया जाता है। इसलिए यह आसानी से कम कीमत पर सब जगह उपलब्ध है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मंत्रिस्तरीय वार्ता शनिवार से, गोयल करेंगे अगुवाई

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर मंत्रिस्तरीय वार्ता 17 मई को वाशिंगटन डीसी में होगी। आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए होने वाली बैठकों में दोनों देशों के शीर्ष व्यापार और वाणिज्य अधिकारी शामिल होंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अपने चार दिवसीय दौरे पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर विचार-विमर्श करेंगे।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अपने चार दिवसीय दौरे पर पहले अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और बाद में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर विचार-विमर्श करेंगे। यह पीयूष गोयल की प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इस वर्ष मार्च में वाणिज्य मंत्री ने ग्रीर और लुटनिक के साथ द्विपक्षीय बैठकें की थीं।

‘बीटीए’ पर बातचीत को राजनीतिक दिशा देने के लिए दोनों देशों के मंत्री राजनीतिक स्तर की चर्चा करेंगे। इसके साथ ही वे पिछले दो महीनों में वार्ता में हुई प्रगति का आकलन भी करेंगे।



मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद 19 मई से 22 मई तक दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के बीच विचार-विमर्श होगा। यह बैठकें ऐसे समय में होने जा रही हैं, जब दोनों देश इस साल सितंबर-अक्टूबर तक व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने से पहले ‘शीघ्र आपसी लाभ’ हासिल करने के लिए वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था की संभावना तलाश रहे हैं।

भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भारत के मुख्य वार्ताकार एवं वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के

सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने पिछले महीने वाशिंगटन में तीन दिवसीय विचार-विमर्श किया था। दोनों देशों के अधिकारी बीटीए पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए 90 दिवसीय शुल्क निराम अवधि का लाभ उठाना चाहते हैं।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने भारत पर लगाए अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क को नौ जुलाई तक के लिए निलंबित किया हुआ है। दरअसल बढ़ते व्यापार घाटे को पाटने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को उच्च सीमा शुल्क की घोषणा की थी, लेकिन ट्रंप ने बाद में उसे निलंबित कर दिया था।